ज्ञानामृत

शाश्वत शांति की प्राप्ति के लिए शांति की इच्छा नहीं बल्कि आवश्यक है इच्छाओं की शांति।

स्वामी ज्ञानानंद

राष्ट्र को समर्पित

विजय मत

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | रायपुर, शुक्रवार, 27 जून 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 173 | पेज- 08 | मूल्य- ₹1.00/-

न्यूज इन शॉर्ट

भारतीय बाजार रहा गुलजार, सेंसेक्स ने लगाई 1000 अंकों की छलांग, निफ्टी 25500 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। भू-राजनीतिक तनाव कम होने से बढ़ते आशावाद के बीच भारतीय बाजारों में मजबूती दिखी। गुरुवार को बाजार में भारी वजन रखने वाले एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीदारी से प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 40 पैसे बढ़कर 85.68 (अनंतिम) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,000.36 अंक या 1.21 प्रतिशत चढ़कर 83,755.87 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,056.58 अंक या 1.27 प्रतिशत बढ़कर 83,812.09 अंक पर पहुंच गया।

संसदीय समिति से मुलाकात करेंगे पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़, 11 जुलाई को होगी अहम बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ और जेएस खेहर एक साथ चुनाव कराने से जुड़े विधेयकों की जांच कर रही संसदीय समिति से मुलाकात करेंगे। यह जानकारी सूत्रों ने गुरुवार को दी। संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त समिति की अगली बैठक 11 जुलाई को निर्धारित की गई है। उसी दिन पैनल के सदस्य दोनों सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों के साथ बातचीत करेंगे। इसके अलावा वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व राज्यसभा सांसद ई एम सुधर्शन नच्चियप्पन और पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री व कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एम वीरप्पा मोइली भी समिति के समक्ष अपने विचार साझा करेंगे।

एसएससी ने भर्तियों को तेज और सुरक्षित बनाने के लिए शुरू की ई-डॉसियर सुविधा, डिजिटल इंडिया को बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान को आगे बढ़ाते हुए कर्मचारी चयन आयोग (स्स्ष्ट) ने भर्ती प्रि या को पूरी तरह डिजिटल बना दिया है। अब चयनित उम्मीदवारों के दस्तावेज यानी डॉसियर फिजिकल फॉर्म में नहीं बल्कि ई-डॉसियर के रूप में संबंधित मंत्रालयों और विभागों को भेजे जा रहे हैं। यह पूरी प्रि या स्स्ष्ट के 'ई-डॉसियर पोर्टल' के माध्यम से ऑनलाइन की जा रही है। स्स्ष्ट विभिन्न परीक्षाओं में सफल उम्मीदवारों के दस्तावेजों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से संकलित करता है और मंत्रालयों व विभागों के नोडल अधिकारियों के लिए उन्हें पोर्टल पर उपलब्ध कराता है।

अमेरिका में एंट्री चाहिए तो दिखाना होगा सोशल मीडिया हैंडल, जानकारी छिपाई तो वीजा हो सकता है रिजेक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने वीजा सुरक्षा प्रक्रिया को और सख्त करते हुए एक नया नियम लागू किया है, जिसके तहत वीजा के लिए आवेदन करने वालों को अब अपने पिछले पांच वर्षों के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के यूजरनेम या हैंडल्स बताने होंगे। अमेरिकी दूतावास ने गुरुवार को इस बाबत जानकारी साझा करते हुए कहा कि यदि कोई आवेदक सोशल मीडिया की जानकारी छुपाता है, तो उसका वीजा न सिर्फ रिजेक्ट हो सकता है बल्कि भविष्य में भी वीजा के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। दूतावास ने अपने आधिकारिक ' (पहले ट्विटर) अकाउंट पर कहा, "वीजा आवेदकों को ष्ठस्-160 फॉर्म में पिछले पांच वर्षों के सोशल मीडिया हैंडल्स बताने होंगे। आवेदन करने से पहले वे यह प्रमाणित करते हैं कि दी गई जानकारी सत्य और पूर्ण है।" 23 जून को अमेरिकी दूतावास ने स्टूडेंट व एक्सचेंज वीजा के आवेदकों से यह भी कहा कि वे अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स को 'पब्लिक' रखें, ताकि उनकी पहचान और पात्रता की जांच सही तरीके से हो सके।

आपातकाल में जेल गए सेनानियों को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

आजाद भारत में जो हुआ उसने अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता याद दिला दी : साय

विजय मत, रायपुर

इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल के दौरान जेलों में बंद किए गए लोकतंत्र सेनानियों को छत्तीसगढ़ सरकार ने सम्मानित किया। गुरुवार को इन बुजुर्ग सेनानियों को मुख्यमंत्री आवास में सम्मान और लंच के लिए बुलाया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा-लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति है। आज हम लोकतंत्र की फिजा में जिस आजादी का अनुभव कर रहे हैं, उसकी कीमत आपातकाल के दौरान कुछ लोगों ने यातना, अपमान और जेलों में समय काटकर चुकाई थी। इन लोकतंत्र सेनानियों की पीड़ा और संघर्ष को हर पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। मुख्यमंत्री साय ने लोकतंत्र विरोधी ताकतों से सावधान रहने और लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों को बेड़ियों में जकड़कर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। यह सब स्वतंत्र भारत में हुआ, लेकिन उस अमानवीयता ने अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता की याद दिला दी। आपातकाल के दौरान असहनीय कष्ट सहने वाले लोकतंत्र सेनानी आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। मुख्यमंत्री साय ने सच्चिदानंद उपासने की लिखी पुस्तक 'वो 21 महीनेः आपातकाल' का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 जून 1975 को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला दिन माना जाता है। आपातकाल में हजारों लोगों को बिना अपराध के जेलों में ठूंस दिया गया, मौलिक अधिकार छीन लिए गए और लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया।

आपातकाल में कलाकारों की स्वतंत्रता तक छीनी गई

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उन्होंने इस त्रासदी को बहुत करीब से देखा है। उनके स्वर्गीय बड़े पिताजी नरहरि प्रसाद साय भी उस दौर में 19 महीने तक जेल में बंद रहे थे। उनके द्वारा सुनाए गए किस्से आज भी रोंगटे खड़े कर देते हैं। उन्होंने कहा कि आपातकाल में कलाकारों की स्वतंत्रता तक छीनी गई। बॉलीवुड सिंगर किशोर कुमार द्वारा सरकारी प्रचार गीत गाने से इनकार करने पर उनके गीतों पर आकाशवाणी में प्रतिबंध लगा दिया गया था।

आपातकाल लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला था: रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने उद्बोधन में आपातकाल की भयावहता और लोकतंत्र सेनानियों के बलिदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आपातकाल के 21 महीनों की प्रताड़ना और लोकतंत्र पर हुए आघात को देश के हर नागरिक तक पहुंचाना आज की पीढ़ी की ज़िम्मेदारी है। डॉ. सिंह ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि आज मीसाबंदी आंदोलन के सहभागी और उनके परिजन हमारे बीच हैं। उन्होंने आपातकाल को असंवैधानिक करार देते हुए कहा कि उस समय पूरे देश को एक विशाल जेल में बदल दिया गया था।

कोई सरकार योजना बंद नहीं कर सकेगी

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान राशि देने की शुरुआत की थी, जिसे पूर्ववर्ती सरकार ने बंद कर दिया। हमारी सरकार ने न केवल यह सम्मान राशि फिर से प्रारंभ की, बल्कि पूर्व सरकार द्वारा रोकी गई पिछले पांच वर्षों की बकाया राशि का भी भुगतान किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब लोकतंत्र सेनानियों की अंत्येष्टि राजकीय सम्मान के साथ की जाएगी और उनके परिजनों को 25,000 की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, विधानसभा में एक अधिनियम पारित कर यह सुनिश्चित किया गया है कि भविष्य में कोई भी सरकार इस सम्मान योजना को समाप्त न कर सके।

संसद नहीं, संविधान सबसे ऊपर, लोकतंत्र के तीनों हिस्से इसके अधीनः सीजेआई

अमरावती, एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने बुधवार को कहा कि भारत का संविधान सबसे ऊपर है। हमारे लोकतंत्र के तीनों अंग (न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका) संविधान के अधीन काम करते हैं। सीजेआई गवई ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है, लेकिन मेरी राय में संविधान सर्वोपरि है। सुप्रीम कोर्ट के 52वें सीजेआई के रूप में शपथ लेने वाले जस्टिस गवई होमटाउन अमरावती में अपने अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। सीजेआई गवई ने कहा कि संसद के पास संशोधन करने की शक्ति है, लेकिन वह संविधान के मूल ढांचे को बदल नहीं सकती। सीजेआई गवई ने कहा कि एक जज को हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारा एक कर्तव्य है और हम नागरिकों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं। हमारे पास केवल शक्ति नहीं है, बल्कि हम पर एक कर्तव्य भी डाला गया है। किसी जज को इस बात को लेकर नहीं चलना चाहिए कि लोग उनके फैसलों के बारे में क्या कहेंगे या क्या महसूस करेंगे। चीफ जस्टिस बोले- हमें स्वतंत्र रूप से सोचना होगा। लोग क्या कहेंगे, यह हमारी फैसले लेने की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बन सकता।

आश्रय का अधिकार सर्वोच्च है

बुलडोजर न्याय के खिलाफ अपने फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आश्रय का अधिकार सर्वोच्च है। सीजेआई ने कहा, मैंने हमेशा अपने निर्णयों और काम को बोलने दिया और हमेशा संविधान में निहित मौलिक अधिकारों के साथ खड़ा रहा।

भाषा पर रार को लेकर गृह मंत्री अमित शाह बोले

हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की दोस्त, विदेशी का विरोध न हो

नई दिल्ली, एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र सरकार के राजभाषा विभाग की स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है। शाह ने कहा कि किसी भी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए, लेकिन हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मातृभाषा में सोचने, बोलने के साथ-साथ अभिव्यक्त करने की भावना को प्रोत्साहित करना चाहिए।

देश का सांस्कृतिक आत्मगौरव भाषाओं से जुड़ा है

हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच प्रतिस्पर्धा को लेकर अमित शाह ने कहा, भाषाएं मिलकर देश के सांस्कृतिक आत्मगौरव को ऊंचाई तक ले जा सकती हैं। उन्होंने मानसिक गुलामी की भावना से मुक्ति पाने पर जोर दिया। शाह ने कहा कि जब तक कोई व्यक्ति अपनी भाषा पर गर्व महसूस नहीं करता और खुद को उसी भाषा में अभिव्यक्त नहीं करता, तब तक वह पूरी तरह आजाद नहीं हो सकता। गृह मंत्री ने कहा, भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, यह राष्ट्र की आत्मा होती है।

1 जुलाई से डिजिटल टिकटिंग के लिए पीआरएस प्रणाली में बदलाव

आगरा, एजेंसी। रेलवे ने टिकट कराने में तेजी, पारदर्शिता और डिजिटल टिकटिंग के अनुभव के लिए यात्री आरक्षण (पीआरएस) प्रणाली में बदलाव किया है। इसमें नेक्स्ट जनरेशन पीआरएस प्रणाली और ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (जीयूआई) लागू किया गया है। आगरा मंडल के आगरा कैंट और मथुरा जंक्शन पर 112 ग्राफिकल यूजर इंटरफेस बेस्ड थिनक्लाइंट लगाई गई हैं। इनमें 91 यूटीएस ग्राफिकल यूजर इंटरफेस बेस्ड थिनक्लाइंट व 21 पीआरएस ग्राफिकल यूजर इंटरफेस बेस्ड थिनक्लाइंट हैं।

नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास की नई रेखा, अंतिम चरण में रेल सर्वे

विजय मत, रायपुर

देश के सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में से एक-बस्तर अंचल में विकास की गाड़ी अब तेजी पकड़ रही है। कोठागुडेम (तेलंगाना) से किरंदुल (छत्तीसगढ़) तक प्रस्तावित 160.33 किमी लंबी नई रेललाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे कार्य को केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृति मिलने के बाद सर्वे अब अंतिम चरण में है। इस प्रस्तावित रेललाइन का 138.51 किमी हिस्सा छत्तीसगढ़ के सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर जैसे नक्सल प्रभावित जिलों के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरेगा, जो अब तक रेल कनेक्टिविटी से वंचित रहे हैं। यह परियोजना न केवल आवागमन को सरल बनाएगी, बल्कि इन जिलों के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। रेलवे द्वारा अत्याधुनिक लिडार तकनीक के माध्यम से सर्वे कार्य किया जा रहा है। यह रेललाइन परियोजना गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विशेष रूप से मॉनिटर की जा रही है, और इसे आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारतीय रेल विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया है, जिनके निर्देशों और समन्वय से यह सर्वे कार्य पुनः गति पकड़ सका। यह रेलमार्ग भविष्य में बस्तर अंचल के लिए सुरक्षा, समावेशन और समृद्धि का प्रतीक बनने जा रहा है।

चीन में एससीओ समिट के दौरान भड़के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

घोषणा-पत्र में नहीं था पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र, साइन करने से किया साफ इनकार

शंघाई, एजेंसी

चीन के किंगदाओ में गुरुवार को शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक हुई। इसमें भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ, दोनों शामिल हुए थे। हालांकि, राजनाथ सिंह ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री से मुलाकात नहीं की। उन्होंने एससीओ के जॉइंट स्टेटमेंट पर साइन करने से भी इनकार कर दिया। क्योंकि उसमें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को शामिल नहीं किया गया था, जबकि पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हुई आतंकी घटना का जिक्र था। भारत ने इससे नाराजगी

जाहिर की। राजनाथ सिंह ने बैठक में कहा, कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को अपनी नीति मानते हैं। वे आतंकवादियों को पनाह देते हैं। फिर इसे इनकार करते हैं। ऐसे डबल स्टैंडर्ड के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समझना होगा कि अब आतंकवाद के एपिसेंटर सेफ नहीं हैं। एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए। विदेश मंत्रालय बोला- एक खास देश को भारत की बात मंजूर नहीं थी दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की दो दिन चली बैठक में सभी देश एक साथ मिलकर साझा बयान पर सहमत नहीं हो सके, इसलिए उस दस्तावेज को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका।

जब कोई आपको जीडीपी के आंकड़े बताए, तो उन्हें अपने घरेलू बजट की सच्चाई दिखाएं: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को घरों की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताते हुए कहा कि अगली बार जब कोई आपको सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े बताए, तो उन्हें अपने घरेलू बजट के बारे में सच्चाई दिखाएं। राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया है कि महाराष्ट्र में आय के हिसाब से शीर्ष 5 प्रतिशत शहरी परिवारों को भी मुंबई में घर खरीदने के लिए 100 वर्षों से अधिक की बचत करनी पड़ेगी। गांधी ने कहा, ÷हां, आपने सही पढ़ा - और यदि आपको विश्वास नहीं हो रहा है, तो मैं इसे दोहराता हूं मुंबई में घर खरीदने के लिए, भारत के सबसे अमीर पांच प्रतिशत लोगों को भी अपनी आय का 30 प्रतिशत 109 वर्षों तक बचाना होगा! उन्होंने अपने व्हाट्सएप चैनल पर हिंदी में लिखे पोस्ट में कहा, यही हाल है ज्यादातर बड़े शहरों का, जहां आप अवसरों और सफलता की तलाश में कड़ी मेहनत करते हैं। और, इतनी बचत कहां से आएगी? लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग को विरासत में धन नहीं, बल्कि जिम्मेदारियां मिलती हैं - बच्चों की महंगी शिक्षा, महंगे इलाज की चिंता, माता-पिता की जिम्मेदारी या परिवार के लिए एक छोटी कार।

वन पट्टों के फौती और नामांतरण की प्रक्रिया अब आसान

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार की नई पहल से वन पट्टों के फौती नामांतरण की प्रक्रिया सरल और व्यवस्थित हो गई है। किसी पट्टाधारी की मृत्यु के बाद उसके वैध वारिसों को अधिकार अब आसानी से मिल रहा है। वारिसों के नाम पर पट्टा दर्ज होने से वे न केवल भूमि के वैधानिक स्वामी बन पा रहे हैं, बल्कि शासकीय योजनाओं का लाभ भी उन्हें सुलभता से मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि प्रत्येक वनभूमि पट्टाधारी परिवार को उसका पूरा हक और सम्मान दिलाना, हमारी सरकार की प्राथमिकता में शामिल है।

देश में वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत कुल 23 लाख 88 हजार 834 व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रो का वितरण मार्च 2025 तक किया गया है, इनमें छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 4 लाख 82 हजार 471 व्यक्तिगत वन पत्रधारक हैं। राज्य में वन पट्टाधारकों की यह संख्या देश में सर्वाधिक है। वन अधिकार अधिनियम, 2006 का क्रियान्वयन वर्ष 2008 से देश में हो रहा है लेकिन इस अधिनियम में वन अधिकार पत्रधारक की मृत्यु होने की दशा में उनके विधिक वारिसानों को भूमि के नामांतरण के संबंध में प्रक्रिया नहीं होने के कारण नामांतरण नहीं हो पा रहा था साथ ही उन्हें शासन के योजनाओं और सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर इस कठिनाई को दूर करने के लिए तथा वंशजों का नाम पर काबिज वनभूमि का हस्तांतरण एवं राजस्व तथा वन अभिलेखों में दर्ज करने का निर्णय लिया। वन पट्टों के फौति-नामांतरण की सरल प्रक्रिया तय की गई है। अकेले छत्तीसगढ़ में ही 11 हजार 600 से अधिक वंशजों के आवेदन इसके लिए प्राप्त हुए हैं, जिन्हें प्रक्रिया के अभाव में नामांतरण के लिए भटकना पड़ रहा है। राज्य सरकार के इस निर्णय से अब उन्हें उनकी समस्या का निदान मिल गया है। ऐसे लोगों को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मोर जंगल, मोर जमीन, मोर वन अधिकार के माध्यम से वनों में निवास करने वाली अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परपरागत वन निवासियों द्वारा काबिज पैतृक भूमि पर वन अधिकारों की मान्यता प्रदान की जा रही है। साथ ही पत्रधारकों के अभिलेख दुरुस्तीकरण एवं डिजिटलाईजेशन, नामांतरण, सीमांकन, खाता विभाजन संबंधी कार्य सुगमता से हो रहा है। राज्य में नामांतरण, सीमांकन, बटवारा, त्रुटि सुधार एवं अपील के अंतर्गत अब तक प्राप्त 11623 आवेदनों में से 3800 आवेदनों का निराकरण किया गया है। इसके फलस्वरुप विधिक वारिसान जो विभिन्न शासकीय योजनाओं तथा अन्य सुविधा से वंचित थे, उन्हे अब पीएम किसान सम्मान निधि, धान खरीदी आदि का लाभ भी मिल रहा है।

नामांतरण प्रक्रिया... नामांतरण की प्रक्रिया के अंतर्गत वन अधिकार मान्यता पत्रधारक का निधन होने पर कैफियत कॉलम में दर्ज प्रविष्टि में संशोधन किया जाता है। विधिक वारिसानों के मध्य वन अधिकार पत्र की वन भूमि के बंटवाने की प्रक्रिया-वन अधिकार मान्यता पत्रधारी के जीवनकाल में उनके द्वारा प्रस्तावित या उसकी मृत्यु के उपरांत विधिक वारिसानों के मध्य खाता विभाजन करने की सुविधा दी जा रही है। सरकारी नक्शों में मान्य वन अधिकारों के सीमांकन की कार्रवाई की जाती है। संबंधित विभागों के अभिलेखों में वन अधिकारों को दर्ज करना किया जाता है। वन अधिकार पुस्तिका आदि अभिलेखों में त्रुटि का निराकरण भी किया जा रहा है।

वन अधिकार पत्रों का डिजिटाइजेशन.... वन अधिकार पत्रों को डिजिटाईज कर ऑनलाईन उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रिमोट सेन्सिंग एवं जीआईएस तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है। वन पट्टों के साथ अन्य जानकारी जैसे आधार, जनधन खाते, जॉब कार्ड आदि की जानकारी भी जोड़ी जा रही है। इससे व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रधारक को न केवल अधिकार संबंधित सभी जानकारी सहजता से मिल रही है, बल्कि किसी वन अधिकार पत्रधारक के पास वन अधिकार पत्र उपलब्ध नहीं है तो वह इसे ऑनलाईन प्राप्त कर रहे हैं। डिजिटलाईजेशन के तहत व्यक्तिगत वन अधिकार के 4 लाख 82 हजार 471 पत्र धारकों में से 3 लाख 40 हजार 129 के स्कैनिंग अपलोडिंग का कार्य किया जा चुका है, जिसका लाभ पीढ़ियों तक वन अधिकार पत्रधारक एवं उनके वंशजो को मिलता रहेगा।

वन अधिकार पट्टों का क्रियान्वयन... छत्तीसगढ़ में व्यक्तिगत वन अधिकार के अंतर्गत 4 लाख 82 हजार 471 वनपट्टे वितरित किए गए हैं इसी प्रकार सामुदायिक वनधिकार के अंतर्गत 48 हजार 249 और सामुदायिक वन संसाधन अधिकार 4 हजार 396 पट्टों का वितरण किया गया है।

आलेख-जी.एस. केशरवानी, उप संचालक

कार्यालयः ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ दुर्ग ■ धमतरी ■ बस्तर ■ कवर्धा ■ कांकेर ■ कोरबा ■ कोरिया ■ जशपुर ■ जांजगीर-चाम्पा ■ मनेंद्रगढ ■ मोहला-मानपुर ■ दन्तेवाड़ा ■ महासमुन्द ■ राजनांदगांव ■ रायगढ़ ■ सरगुजा ■ बलौदाबाजार ■ बालोद ■ मुंगेली ■ बेमेतरा ■ सूरजपुर ■ गरियाबंद ■ सुकमा ■ बलरामपुर ■ कोंडागाँव ■ नारायणपुर

श्री राम जानकी मंदिर में एकादशी तक विराजेंगे भगवान जगन्नाथ

भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की रथयात्रा आज, भंडारा प्रसादी दोपहर 11 बजे से

विजय मत, राजनांदगांव

भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की भव्य रथयात्रा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया, 27 जून शुक्रवार को बड़ी श्रद्धा-भक्ति के साथ धूमधाम से निकाली जाएगी। संस्कारधानी नगरी के गांधी चौक स्थित प्राचीन भगवान जगन्नाथ महाप्रभु के मंदिर से 87 वीं रथयात्रा निकाली जाएगी। पारंपरिक रथ को भव्यता प्रदान की गई है।

श्री जगन्नाथ मंदिर रथयात्रा आयोजन समिति के प्रमुख महेश शर्मा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 27 जून शुक्रवार को गांधी चौक स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में सुबह 8 बजे से भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा का विशेष श्रृंगार पूजन किया जायेगा। श्री शर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालु भक्तों के लिए भंडारा प्रसादी सुबह 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक आयोजित है। शोभायात्रा के संदर्भ में बताया गया कि शोभयात्रा प्रारंभ होने के पूर्व दोपहर 2 बजे भगवान जगन्नाथ बड़े भाई बलभद्र बहन सुभद्रा एवम सुदर्शन चक्र को भव्य रथ में विराजित किया जाएगा। पूजा, आरती के पश्चात दोपहर 2.30 बजे रथ की रस्सी को सैकड़ों भक्त माता-बहनों एवम बंधुओं द्वारा अपने हाथो से खींचा जाएगा एवं रथयात्रा प्रारंभ होगी। इस दौरान संस्कारधानी की विभिन्न भजन मंडलियों के द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। ढोल नगाड़े की थाप भी रथयात्रा की शोभा बढ़ाएगी।

रथयात्रा नगर के गांधी चौक से दुर्गा चौक, बालगोविंद चौक, बसंतपुर थाना से सदर बाजार, भारत माता चौक, तिरंगा चौक, रामाधीन मार्ग से श्री श्याम मंदिर गली से कामठी लाइन, भारत माता चौक, आजाद चौक, महाकाल चौक से जयस्तंभ चौक से भ्रमण करते हुए जूनी हटरी स्थित श्री राम जानकी मंदिर पहुंचेगी। यहां जगत के नाथ का स्वागत पारंपरिक सनातन संस्कृति के अनुसार किया जावेगा। भगवान जगन्नाथ बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ आषाढ़ शुक्ल एकादशी तक श्रीराम जानकी मंदिर में ही विराजेंगे एवम भक्तो को दर्शन देंगे। रथयात्रा के दौरान सुप्रसिद्ध गजा मूंग का प्रसाद भक्तो को प्राप्त होगा। आषाढ़ शुक्ल एकादशी तक भगवान का रथ इसी मंदिर के द्वार पर खड़ा रहेगा। एकादशी के दिन भगवान पुनः अपने रथ पर विराजमान होकर बाजे गाजे के साथ अपने गांधी चौक स्थित मंदिर में पधारेंगे। इस प्रकार भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा पूर्ण होगी। श्री जगन्नाथ रथ यात्रा आयोजन समिति ने नगर के धर्म प्रेमी माताओं-बहनों एवं बंधुओं से आग्रह किया है कि वे रथ यात्रा में शामिल हो अपने हाथों से जगन्नाथ महाप्रभु के रथ को खींचकर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करें। जिन मार्गो से रथ निकलेगा उन मार्गों में निवासरत धर्म प्रेमी माता, बहने एवम बंधु अपने अपने द्वार पर जगन्नाथ महाप्रभु का दर्शन पूजन कर प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त कर सकते हैं।

श्री सत्यनारायण मंदिर समिति द्वारा दूध कोल्डड्रिंक वितरण: आषाढ़ शुक्ल द्वितीया भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा आज गांधी चौक स्थित प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए जब कामठी लाइन पहुंचेगी तब श्री सत्यनारायण मंदिर समिति द्वारा श्री सत्यनारायण धर्मशाला के सामने भगवान श्री जगन्नाथ एवं रथ यात्रा में शामिल भक्तों का भव्य स्वागत शीतल दूध कोल्ड ड्रिंक से किया जावेगा। मंदिर समिति द्वारा अनेक वर्षों से रथ यात्रा में शामिल भक्तों को शीतल पेय का वितरण किया जा रहा है।

भव्य रथ को अपने हाथों से खींचेंगे भक्त

रथयात्रा नगर के गांधी चौक से दुर्गा चौक, बालगोविंद चौक, बसंतपुर थाना से सदर बाजार, भारत माता चौक, तिरंगा चौक, रामाधीन मार्ग से श्री श्याम मंदिर गली से कामठी लाइन, भारत माता चौक, आजाद चौक, महाकाल चौक से जयस्तंभ चौक से भ्रमण करते हुए जूनी हटरी स्थित श्री राम जानकी मंदिर पहुंचेगी। यहां जगत के नाथ का स्वागत पारंपरिक सनातन संस्कृति के अनुसार किया जावेगा। भगवान जगन्नाथ बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ आषाढ़ शुक्ल एकादशी तक श्रीराम जानकी मंदिर में ही विराजेंगे एवम भक्तो को दर्शन देंगे। रथयात्रा के दौरान सुप्रसिद्ध गजा मूंग का प्रसाद भक्तो को प्राप्त होगा।

सार समाचार

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद डौंडी लोहारा में मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

बालोद (विजय मत)। पीएम स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय डौंडी लोहारा में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जयेश ठाकुर एवं विशेष अतिथि बलराम गुप्ता पूर्व अध्यक्ष भाजपा मंडल, टेक सिंह छेदाम वरिष्ठ कार्यकर्ता ,सदस्य सरोज पटेल अंजना दुबे, शुभाषिणी राजपुत उपस्थित रहे अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना किया गया बच्चों ने अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत सरस्वती वंदना, सामूहिक नृत्य प्रेरणा गीत प्रस्तुत किया अतिथियों ने नवप्रवेशित बच्चों को तिलक लगाकर, मुह मीठा कर पुस्तक प्रदान किया गया । इस अवसर मुख्य अतिथि जयेश ठाकुर ने कहा कि सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत और अपने माता-पिता गुरुजनों का नाम रोशन करने के लिए बच्चों को प्रेरित किया। सत्र 2024-25 में कक्षा पांचवीं, आठवीं, दसवीं एवं बारहवीं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले मेघावी विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया संस्था के प्राचार्य डी आर देवहारे द्वारा शाला प्रवेश उत्सव का महत्व बताते हुए नवप्रवेशी बच्चो को शुभकामनाएं प्रेषित किया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन एन. आर. देशमुख व्याख्याता द्वारा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन एस. एस. जामवंते एवं दीपशिखा हिरवानी द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में समस्त स्टॉफ का सराहनीय योगदान रहा।

गुलशन चंद्राकर ने देवरी के सी एच सी का औचक निरीक्षण किया

बालोद (विजय मत)। जिला पंचायत सदस्य गुलशन चंद्राकर द्वारा डौंडीलोहारा ब्लाक के देवरी बंगला के सीएचसी का औचक निरीक्षण किया गया । जिला पंचायत के सामान्य सभा में भी देवरी सीएचसी में स्टाफ की कमी, सर्जरी का कार्य महीनों से बंद होने का मुद्दा पूर्व में जिला पंचायत सदस्य द्वारा उठाया गया था जहां सीएमएचओ ने जल्द स्टाफ की व्यवस्था एवं सर्जरी चालू करने का आश्वाशन प्रदान किया था परन्तु अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है । इस संबंध में जिला कलेक्टर के समक्ष भी जिला पंचायत सदस्य ने बात रखी थी। औचक निरीक्षण में जनपद सदस्य दुर्गा ठाकुर, जनपद सदस्य टीकम निषाद, नोवल दीप गंजीर एवं सौरभ देशमुख उपस्थित थे ।

एनएमडीसी किरंदुल-बचेली में स्थानीय भर्ती की मांग को लेकर आदिवासी ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना

दांतेवाड़ा (विजय मत)। दंतेवाड़ा, सुकमा, और बीजापुर जिलों के आदिवासी ग्रामीणों ने गुरुवार सुबह से नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएमडीसी) की किरंदुल और बचेली परियोजना के चेकपोस्ट को जाम कर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है। भारी बारिश के बीच रेनकोट और छाते के साथ प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों की मुख्य मांग है कि एनएमडीसी की हालिया एल-1 और एल-2 स्तर की भर्ती प्रक्रिया में परियोजना से प्रभावित स्थानीय निवासियों को प्राथमिकता दी जाए।संयुक्त पंचायत के बैनर तले सैकड़ों ग्रामीण इस आंदोलन में शामिल हैं।

शासन की जनहित योजनाओं में भागीदारी करके नवविवाहित जोड़े लाभ उठाएं : सांसद महेश कश्यप

विजय मत, दंतेवाड़ा

जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा में स्थित माँ दंतेश्वरी मंदिर परिसर के मेंढका डोबरा मैदान में आज एक पावन और भावनात्मक अवसर का साक्षी बना, जहाँ मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 125 नवविवाहित जोड़ों ने विधिवत रूप से विवाह बंधन में बंधकर अपने नए जीवन की शुरूआत की। इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में बस्तर सांसद महेश कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और सभी नवदंपत्तियों को अपने आशीर्वचनों से नवाजा। इस अवसर पर कश्यप ने कहा, ह्लमाँ दंतेश्वरी के पवित्र प्रांगण में आज इन नवदंपत्तियों ने अपने जीवन की एक नई यात्रा प्रारंभ की है। विवाह, मानव जीवन की तीन प्रमुख कड़ियों में से एक है और शासन इसकी गरिमा बनाए रखते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के हर वर्ग को सशक्त बना रहा है।ह्व उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जन्म से लेकर मृत्यु तक जीवन के हर चरण को ध्यान में रखकर योजनाएं चलाई जा रही हैं। ह्यमहतारी वंदन योजना, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान, और ह्यमुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना जैसी योजनाएँ राज्य की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर रही हैं।

सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से राज्य सरकार ऐसे परिवारों के साथ खड़ी हो रही है जो अपनी बेटियों के विवाह के समय आर्थिक तंगी से जूझते हैं। उन्होंने कहा कि ह्लयह योजना केवल वित्तीय सहायता नहीं, बल्कि सरकार की अभिभावक-समान भावना का प्रतीक है। यह नवदंपत्तियों के जीवन का सबसे सुखद क्षण है और हमें गर्व है कि हम उनकी खुशियों के साक्षी बन रहे हैं।

इस मौके पर विधायक चैतराम अटामी ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देते हुए कहा कि विवाह दो आत्माओं का नहीं, बल्कि दो परिवारों का भी मिलन होता है। उन्होंने कहा कि जीवन के इस नए अध्याय में आप दोनों हमेशा मुस्कुराते रहें, एक-दूसरे का सम्मान करें और हर परिस्थिति में एक-दूसरे का साथ निभाएं। आज यह शुभ अवसर सिर्फ आपके जीवन का ही नहीं, हम सभी के लिए भी एक सुखद स्मृति बन गया है। इस पवित्र बंधन के साक्षी स्वयं पृथ्वी और आकाश हैं, और हम सब गवाह हैं उस प्रेम और विश्वास के जो इस रिश्ते की नींव है। विधायक अटामी ने यह भी कहा कि प्रेम, समर्पण और समझदारी से भरा वैवाहिक जीवन ही सच्चे सुख का आधार होता है। उन्होंने कामना की कि ईश्वर नवदम्पति को एक सुखी, समृद्ध और सम्मानित जीवन प्रदान करें। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी ने कहा कि आपकी खुशियों की इस घड़ी में शामिल होकर हमें गहरी खुशी हुई है। जीवन की हर महत्वपूर्ण घड़ी में राज्य शासन की योजनाएँ आपका सहयोग करेंगी। इनका लाभ उठाकर आप उज्ज्वल भविष्य की ओर सतत अग्रसर हो सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान विवाह संस्कार परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न हुए। मंदिर परिसर में भक्ति, उल्लास और मंगल ध्वनि का माहौल बना रहा।

महारानी दुर्गावती बलिदान दिवस छुरा नगर में मनाया गया

विजय मत, छुरा

अखिल भारतीय आदिवासी परिषद के तत्वाधान में महारानी रानी दुर्गावती बलिदान दिवस हर्षो हुलास से मनाया गया जिसमें आदिवासी समाज के समस्त समाज का पूर्ण योगदान रहा आदिवासी समाज आदिवासी समाज एक वृहद समाज है जो अपने पूर्वजों के बलिदान को सदैव याद करता है 24 जुन के बलिदान दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ पर कलश यात्रा कर नगर भर्मण किया नगर के हदय स्थल रानी दुर्गावती चौक में महारानी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया उक्त कार्यक्रम कुमार ओंकार शाह, यष्पेन्द्र शाह जी के अध्यक्षता एवं आदिवासी समाज के अगुवाई में सम्पन हुआ जिसमे कुमार ओकार शाह जी ने आदिवासी समाज को एक रहने समाज की संस्कृति को संरक्षित करने शिक्षा में विशेष समाज को आगे रहने की बात कही! रानी दुर्गावती बलिदान दिवस के कार्यक्रम में जिला के जिलाधीश श्री भगवान सिंग उइके जी मुख्य अतिथि के रूप में सम्लित हुएँ जिलाधीश जी ने समाज में शिक्षा संस्कृति पारम्परिक व्यवसाय कृषि नारी सक्ति पे विशेष जोरदार देते हुएँ अपनी ऑश्कताओं के अनिरुप हमें कृषि करना चाहिए बच्चो के शिक्षा राजनीतक नेतृत्व में समाज अग्रसर हो रानी दुर्गावती का जीवन आदिवासी समाज प्रेणा और गौरवान्वित करता है।

साइबर हीरो बनो, साइबर शिकार नही का दिया गया संदेश

अजीज पब्लिक स्कूल इंदामरा में एक यु नशा के विरू के तहत स्कूली बच्चों को नशा से दूर रहने की दी गई शिक्षा

विजय मत, राजनांदगांव

अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग द्वारा आज अजीज पब्लिक स्कूल के छात्रा/छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें नशीली पदार्थों से दूर रहने की सलाह दी गई। उन्होंने बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया और बताया कि यह उनके जीवन और भविष्य को कैसे बर्बाद कर सकता है।

उन्होंने बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को नशा मुक्ति के महत्व को समझाया और कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है जो न केवल व्यक्ति को, बल्कि उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है। उन्होंने बच्चों से आग्रह किया कि वे खुद भी नशा से दूर रहें और अपने दोस्तों और परिवार को भी इसके बारे में जागरूक करें। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति एक सामूहिक जिम्मेदारी है और सभी को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा।

साथ ही पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग द्वारा कहा कि साइबर सुरक्षा के लिए सोशल मीडिया, गेमिंग, ई-मेल व पासवर्ड सुरक्षा के बारे में सरल भाषा में व्याख्यान दिया गया। बच्चों को बताया गया कि किसी भी अनजान लिंक या अंजान व्यक्ति से व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। साइबर बुलिंग, फिशिंग, हैकिंग आदि जैसे अपराधों के बारे में बताया गया और इनसे बचाव के उपाय बताए गए। इंटरनेट का उपयोग सोच-समझकर करने और दूसरों की निजता का सम्मान करने की शिक्षा दी गई।

साइबर हीरो बनो, साइबर शिकार नही का संदेश दिया गया और इसके साथ ही स्कूली बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर बच्चों को सडक पर सुरक्षित चलने, यातायात संकेतों की पहचान करने तथा हेलमेट व सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपायों के महत्व को बताया गया। शराब सेवन कर वाहन न चलाने तथा बिना हेलमेट वाहन न चलायें, यातायात नियमों का पालन करने हेतु कहा गया। कार्यक्रम के अंत में, बच्चों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने नशा से दूर रहने और दूसरों को भी इससे बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अजीज पब्लिक स्कूल इंदामरा के पदाधिकारी व शिक्षकगण जिसमें मुख्यतः दानिश अली, प्रशांत बोहरा, निकिता बोहरा, श्रीमती निकुंज सिंघल, श्रीमती अंशिता सिंघल, गौरव पारख, श्रीमती दीपाली जैन एवं यातायात प्रभारी अजय खेस, सउनि. कमल किशोर श्रीवास्तव व स्कूल स्टाफ तथा लगभग 200 स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

बाहर से आये मुसाफिरों, अवैध अप्रवासी फेरी वालों पर पुलिस की कार्रवाई

अटल आवास पेंड्री में लगभग 400 से अधिक घरों का निरीक्षण

विजय मत, राजनांदगांव

पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) मुकेश ठाकुर एवं नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के नेतृत्व में चोरी, लूट, झपटमारी, चाकूबाजी, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि की घटना की रोकथाम के लिए आज थाना प्रभारी बसंतपुर निरीक्षक एमन साहू, ओपी चिखली प्रभारी निरीक्षक उमेश बघेल, ओपी सुरगी प्रभारी निरीक्षक संकरगिरी गोस्वामी, ओपी तुमडीबोड़ प्रभारी दिलीप पटेल, थाना आजाक प्रभारी निरीक्षक संतोष ठाकुर, प्रभारी यातायात शाखा अजय खेस सहित लगभब 50 से अधिक पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा थाना लालबाग क्षेत्रांतर्गत अटल आवास पेंड्री के आवासीय परिसर में जाकर वहां स्थित 400 से अधिक घरों को चेक किया गया एवं उनमें रहने वाले लोगों की भी तलाशी ली गई वहां रह रहे मकान मालिकों, किरायदार व अन्य बाहरी मुसाफिरों की भी चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान लोगों के आधार कार्ड, पेनकार्ड, ड्राईविंग लायसेंस, आदि चेक कर तस्दीक किया गया। गुण्डा बदमाश, निगरानी बदमाश तथा उपद्रिवि तत्वों की भी चेकिंग की गई। इस दौरान 1.099 किलोग्राम अवैध निशीला पदार्थ गांजा एवं 01 नग डिजिटल तराजू मिलने पर आरोपी सुनील मरकाम पिता भरत मरकाम उम्र 27 साल, निवासी अटलआवास पेन्ड्री ब्लॉक नं.12 मकान नं.-7 के विरूद्ध 20(बी) एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत कार्यवाही की गई एवं अन्य आरोपियों के पास से 03 धारदार चाकू एवं 01 तलवार मिलने पर सभी के विरूद्ध आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। इस प्रकार जिले के अन्य संदिग्ध इलाकों में कॉबिंग गस्त एवं चेकिंग आगे भी जारी रहेगी।

प्रयास आवासीय विद्यालय दुर्ग के लिए सिवनी के बच्चों का चयन

विजय मत, बालोद

डोंडीलोहारा-शासकीय पूर्व. माध्यमिक शाला सिवनी, वि. ख. डौडीलोहारा, संकुल केंद्र भरदा से कु. वर्षा, पिता-भेखलाल एवं कु. काजल पिता भागीरथी आलेन्द्र का चयन प्रयास आवासीय विद्यालय दुर्ग के लिए हुआ है. कु. वर्षा अपने संवर्ग में डौडीलोहारा ब्लॉक में प्रथम स्थान पर रही, साथ ही इस विद्यालय से राष्ट्रीय सह साधन प्रावीण्य छात्रवृत्ति के लिए इन दोनों बच्चों सहित तीन बच्चों का चयन हुआ है!बच्चों के इस उपलब्धि के लिए शाला परिवार द्वारा तिलक लगाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया!इस अवसर पर संकुल प्राचार्य अग्रवाल सर, सी ए सी, टंडन सर, श्रीमती के. कश्यप(प्रधानपाठक ट२),श्रीमती यू. साहू(प्रधानपाठक ढ२),शिक्षाविद डॉ के. एस. सिन्हा, शिक्षक आर. के. साहू, पी. एल. यादव, एन चिराम, एम.आर.चन्द्राकर सर सभी ने बच्चों की सफलता के लिए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हार्दिक बधाई प्रेषित किया गया।

1947 की आजादी को इंदिरा ने छीना 1977 जेपी अटल आडवाणी ने फिर दिलाई आजादी

छुईखदान भाजपा मंडल ने संविधान हत्या दिवस मनाया

विजय मत, छुई खदान

भारतीय जनता पार्टी छुई खदान मंडल द्वारा ₹संविधान हत्या दिवस₹ की 50 वीं वर्षगांठ के अवसर पर मंडल मुख्यालय में एक गरिमामय कार्यक्रम प्रदेश व जिला नेतृत्व के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने भाग लेकर आपातकाल के काले दिनों को याद किया और लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व जिलाध्यक्ष घम्मन साहू, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष नवनीत जैन तथा जिला मंत्री जैनेंद्र जंघेल रहे। घम्मन साहू ने 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा आघात बताया। इंदिरा कांग्रेस सरकार का दमन कारी निर्णय जिसने मातृ वंदना , पत्रकारिता , विरोध में उठने वाली हर आवाज का दमन किया । हजारों लोगों को जेल में बंद किया वो भी केवल स्वार्थ और सत्ता के लोभ में इसे देश काले अध्याय के रूप में हमेशा याद रखेगा।

इस अवसर पर बोलते हुए नवनीत जैन ने कहा, देश की नई पीढ़ी को यह जानना आवश्यक है कि जब सत्ता की खातिर लोकतंत्र पर ताले जड़े गए, तब जयप्रकाश नारायण ने विचारों से उन तालों को तोड़ा। सलाखें उनके आजाद विचारों को कैद नहीं कर सकीं। शरीर भले टूटा हो, लेकिन लोकतंत्र को फिर से जीवित करने का संकल्प कभी नहीं टूटा। आज हम जो आजादी महसूस कर रहे हैं, वह 1947 वाली नहीं, बल्कि 1977 वाली है।

यह स्वतंत्रता जेपी, अटल, आडवाणी जैसे नेताओं और हजारों लोकतांत्रिक सेनानियों के संघर्ष से प्राप्त हुई है, इसे जोर देकर कहा कि यह सच्चाई बार-बार बताने की जरूरत है, ताकि आने वाली पीढ़ी लोकतंत्र की असली कीमत और इतिहास को ठीक से समझ सके।

इस जोश विरोध से भरे कार्यक्रम का पूरा संचालन मंडल अध्यक्ष श्री भावेश कोचर ने किया। इस आयोजन में वरिष्ठ कार्यकर्ता आनंद सिन्हा,जैनेंद्र जंघेल ज्ञान यादव, रामसुख साहू, कृष्णकांत महोबिया, अशोक पाल, दिना जांघेल, पार्षद पन्ना मंडावी, अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के सम्मान में जयघोष किया।

स्वास्थ्य, शिक्षा, जल आपूर्ति, खेती और स्व-सहायता समूहों पर दिया गया विशेष जोर

राज्यपाल ने खैरागढ़ जिले में गोद ग्राम सोनपुरी के विकास कार्यों का लिया जायजा

विजय मत, रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका दो दिवसीय दौरे पर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई पहुंचे। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक लेकर विकास कार्यों की जानकारी ली। विशेष रूप से उन्होंने अपने गोद लिए ग्राम सोनपुरी में संचालित योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। राज्यपाल ने शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि, उद्यानिकी और जल जीवन मिशन जैसे बुनियादी सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ प्रत्येक ग्रामीण तक पहुँचना चाहिए, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। राज्यपाल डेका ने ग्राम

सोनपुरी में टमाटर की खेती की संभावनाओं को देखते हुए बाड़ी में टमाटर उत्पादन करने कहा। उन्होंने कहा कि टमाटर के अधिक उत्पादन को देखते हुए उसकी प्रोसेसिंग को बढ़ावा देना जरूरी है, ताकि किसानों को बेहतर मूल्य मिले और फसल की बबार्दी न हो।

शत-प्रतिशत योजना लाभ का देने निर्देश: उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत शत-प्रतिशत कार्ड बनाए जाएं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से वंचित किसानों को शीघ्र लाभान्वित किया जाए। जल जीवन मिशन की प्रगति पर चर्चा करते हुए राज्यपाल ने सोनपुरी में प्रत्येक घर तक नल से शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल स्त्रोतों की सततता बनाए रखने के लिए वर्षा जल संग्रहण, सोखता गड्ढे और पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण जैसे उपायों को प्राथमिकता देने को कहा। राज्यपाल ने ह्यएक पेड़ माँ के नामह्य अभियान के अंतर्गत सभी शासकीय भवनों जैसे स्कूल, आंगनबाड़ी, पंचायत भवन और स्वास्थ्य केंद्रों में अधिकाधिक वृक्ष लगाने का आग्रह किया। उन्होंने इसे पर्यावरण और मातृत्व दोनों से जुड़ी एक संवेदनशील पहल बताया।

शिक्षा में ड्रॉपआउट रोकने निर्देश स्कूल छोड़ चुके बच्चों की जानकारी लेते हुए राज्यपाल ने ऐसे बच्चों को दोबारा विद्यालय से जोड़ने के लिए ठोस पहल करने को कहा।

दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु निर्देश

राज्यपाल रमेन डेका ने पुलिस विभाग के कार्यों की जानकारी लेते हुए सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए समुचित उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने खासकर मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई और जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया। उन्होंने शहर में भारी वाहनों की गति को नियंत्रित करने के लिए वाहन मालिकों को अपने चालकों को समझाइश देने को कहा। साथ ही दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां सुरक्षा उपाय जैसे स्पीड ब्रेकर, चेतावनी बोर्ड आदि लगाने के निर्देश दिए।

कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर संविधान को कुचला: राकेश यादव

विजय मत, बालोद

25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को देश के लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला बताते हुए जिला भाजपा कार्यालय बालोद में आयोजित आपातकाल के 50 वे वर्ष पर आयोजित संगोष्ठी पर जिला भाजपा महामंत्री राकेश यादव कहा कि आज भी कांग्रेस उस तानाशाही मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकी है, जिसकी नींव इंदिरा गांधी ने 50 वर्ष पूर्व आपातकाल लगाकर रखी थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल कोई राष्ट्रीय संकट नहीं, बल्कि एक डरी हुई प्रधानमंत्री की सत्ता बचाने की साजिश थी। 12 जून 1975 को जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी को चुनाव में दोषी ठहराया, तो उन्होंने 25 जून को आंतरिक अशांति का हवाला देकर अनुच्छेद 352 के तहत देश पर आपातकाल थोप दिया। संविधान, प्रेस, न्यायपालिका सब कुछ कुचला गया श्री यादव ने कहा कि उस

समय लोकतंत्र के तीनों स्तंभ–विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका–को बंधक बना दिया गया। प्रेस की आजादी पर इतना बड़ा हमला हुआ कि कई अखबारों की बिजली काट दी गई, सेंसरशिप लगाई गई, और 253 पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के आपातकाल ने बेटों को माता-पिता की चिता को अग्नि देने तक नहीं दिया,₹ यह उस अमानवीय शासन का प्रमाण है। इस दौरान लाखों लोगों को बिना मुकदमे जेल में डाला गया, जिनमें जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी जैसे नेता शामिल थे। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश यादव,प्रेम साहू, जुंगेरा मंडल अध्यक्ष अरुण साहू ,पूर्व मंडल अध्यक्ष पालक ठाकुर, प्रकाश नाहर ,संतोष साहू,जनपद सदस्य भुनेश्वरी चंद्राकर ,टेमन साहू,संतानद साहू ,संजय साहू,शिवेंद देशमुख ,हरिराम साठिया ,कामता प्रसाद साहू, साहू दुष्यंत साहू, भूपेश साहू ,ओम प्रकाश सिन्हा, लेश्वर साहू बाल सिंह साहू ,तामेश्वर साहू, गिरीश कुमार निर्मलकर ,संतोष चंद्राकर, इंदू पवार ,विनोद गोस्वामी, रामेश्वर पटेल कमल पनपा लिया सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर कोपरा में संगोष्ठी का आयोजन, मीसा बंदियों का सम्मान

विजय मत, कोपरा

नगर पंचायत कोपरा स्थित रामजानकी मंदिर परिसर में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 1975 का आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा प्रहार था, जिसे देश कभी नहीं भूल सकता।

कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा कि आजादी के बाद देश ने जो सबसे कठिन समय देखा, वह आपातकाल था। उस समय की पीड़ा को जानना और समझना आज की पीढ़ी के लिए आवश्यक है। खाद्य आयोग अध्यक्ष संदीप शर्मा ने कहा कि आपातकाल में जिन स्वतंत्रता सेनानियों और मिशा बंदियों ने

अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई, उनका सम्मान करना हमारा दायित्व है। भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चन्द्राकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का दिन हमें लोकतंत्र की रक्षा के संकल्प को दोहराने की प्रेरणा देता है। जनभागीदारी और संविधान की रक्षा ही सच्चा राष्ट्रधर्म है। कार्यक्रम के संयोजक मुरलीधर सिन्हा ने भी विचार व्यक्त किए और आयोजन को जनजागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया।आभार प्रदर्शन पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ रामकुमार साहू,संचालन हेमन वर्मा ने किया।

इस अवसर पर मिशा बंदी रहे गिरीश दत्त उपासने, जिन्होंने आपातकाल के दौरान 21 माह की जेलयात्रा की, उन्होंने अपने भावुक अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, लोकतंत्र की ताकत जेल की सलाखों के बीच भी बनी रही, यही हमारी जीत है। मंचासीन अतिथियों द्वारा सभी मिशा बंदी परिवारजनों का शाल और श्रीफल से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप,जिला पंचायत सदस्य शिवांगी चतुर्वेदी, आशीष शर्मा, अजय रोहरा, नगर पंचायत अध्यक्ष रूपनारायण साहू, नगर पंचायत राजिम अध्यक्ष महेश यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य चन्द्रशेखर साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष सोमप्रकाश साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र सोनटेके, दशरथ यादव सहित गणमान्य नागरिक, पार्टी पदाधिकारी, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष मनीष हरित, मंडल अध्यक्ष कोपरा गोपी ध्रुव, राजिम मंडल अध्यक्ष रिकेश साहू,गरियाबंद मंडल अध्यक्ष सुमित पारख, बिन्द्रानवागढ़ अध्यक्ष धनराज विश्वकर्मा,वरिष्ठ भाजपा नेता गुरुनारायन तिवारी, सागर मयानी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मिलेश्वरी साहू, पूर्व नगर अध्यक्ष नोगेश्वर साहू, भारतीय साहू, संतोषी श्रीवास्तव, लक्ष्मी श्रीवास्तव, हीरामणि साहू, रेणुका साहू, दिलीप साहू, झाडूराम तारक, बसंत पटेल, कमलेश साहू, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण- रायपुर के पचेड़ा गांव में बदल रही ग्रामीण महिलाओं की तस्वीर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश की महिलाएं हो रही आर्थिक रूप से सशक्त

मंत्रालय से लेकर जंगल सफारी तक हर जगह उपयोग किया जा रहा झरिया अल्कलाइन वाटर बाटलिंग प्लांट का पानी

विजय मत, रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन के अनुरूप लखपति दीदियां किस तरह अपने उद्यम से अपना संसार बदल रही हैं इसका सुंदर उदाहरण पचेड़ा ग्राम में झरिया अल्कलाइन वाटर बाटलिंग प्लांट चलाने वाली शारदा समूह की महिलाएं हैं। एक छोटी सी शुरूआत अब बड़ा रूप लेने लगी है। हर दिन 5 हजार बोतल पानी बनाने वाले इस प्लांट से अब मंत्रालय, जंगल सफारी,

आईआईआईटी, एनआरडीए, पयार्वास भवन में भी सप्लाई होने लगी है।

महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक मिसाल कायम कर रहा है रायपुर जिले के अभनपुर ब्लॉक स्थित पचेड़ा गांव का 'झरिया' अल्कलाइन वॉटर बॉटलिंग प्लांट। यह प्लांट नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के संयुक्त प्रयास से स्थापित किया गया है और इसका संचालन शारदा स्व-सहायता समूह की महिलाएं कर रही हैं।

इस हाईटेक प्लांट में प्रतिदिन 5000 बोतलें भरने की क्षमता है। आधुनिक तकनीक से लैस इस प्लांट में दो प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं, जहां जल की शुद्धता और उसका स्त्रऌ स्तर झ्र जो सामान्यतः 8 से 8.5 के बीच रखा जाता है - की नियमित जांच होती है। जल को 500' की काँच की बोतलों में पैक किया जाता है जिससे प्लास्टिक प्रदूषण पर रोक लगाने की दिशा में ठोस कदम उठाया गया है। यह प्लांट ग्रामीण महिलाओं के लिए जीवन बदलने वाली पहल। इस परियोजना के माध्यम से महिलाओं को सीधा रोजगार मिला है। ये महिलाएं अब न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि समाज में एक सशक्त भूमिका निभा रही हैं।

तीन आरोपी को पुलिस ने 12 किलो गांजा के साथ किया गिरफ्तार

गरियाबंद। महासमुंद के तीन आरोपी को 12 किलो ग्राम गांजा मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार ,गरियाबंद के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अवैध नशे के बिक्री एवं परिवहन में रोक लगाने एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देश किया गया था। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारी अपने अपने थाना क्षेत्रों में मुखबीर एवं पेट्रोलिंग सक्रिय किया गया था। जो आज दिनांक 26.06.2025 को थाना प्रभारी फिंगेश्वर को जरिये मुखबीर सूचना मिला कि तीन व्यक्ति दो अलग-अलग मोटर सायकल से अपने कब्जे मे भारी मात्रा मे अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा लेकर छुरा रोड होकर फिंगेश्वर की ओर आ रहे है। जिसकी सूचना तस्दीक हेतु थाना से हमराह स्टाफ के साथ रवाना हो कर मेन रोड पहुंचकर नाकाबंदी कर आने जाने वालों संदिग्ध मोटर सायकल को चेकिंग किया जा रहा था। मुखबीर के बताये निशानदेही पर दो मोटर सायकल रोककर पुछताछ करने पर मोटर सायकल क्रमांक डऊ03` 8593 का चालक अपना नाम प्रकाश कुमार ध्रुव उर्फ पप्पू पिता लालाराम ध्रुव उम्र 23 साल व पीछे बैठे व्यक्ति अपना नाम राहुल बघेल पिता ब्रम्हाराम बघेल उम्र 22 साल बताया तथा दुसरे मोटर सायकल क्रमांक CG 06 HC 4636 का चालक से नाम पता पुछने पर अपना नाम सिध्दंत ध्रुव उर्फ सिध्दार्थ ध्रुव पिता मुरारी ध्रुव उम्र 20 साल सभी महासमुंद के रहने वाला बताये।

अवैध शराब महामारी बन चुकी, कानून-व्यवस्था ढह चुकी है : दीपक बैज

विजय मत, रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बुधवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य में अवैध शराब की बिक्री महामारी का रूप ले चुकी है, वहीं बिजली संकट, कानून-व्यवस्था की बदहाली और किसानों की समस्याओं पर सरकार पूरी तरह असंवेदनशील बनी हुई है।

अवैध शराब बन चुकी है सामाजिक संकट: दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश भर में महिलाएं और आम लोग शराब दुकानों और भट्ठियों के खिलाफ सड़कों पर उतर रहे हैं। रायपुर के डूंडा और दोंदे में विरोध प्रदर्शन जारी है, तो मंदिर हसौद के पास ग्राम खौली में शराब दुकान के विरोध में बच्चे तक स्कूल नहीं जा रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार शराब की काली कमाई में व्यस्त है, और पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा खोले गए सी-मार्ट केंद्रों को अब प्रीमियम शराब दुकानों में बदला जा रहा है।

युक्तियुक्तकरण बना उगाही का जरिया: बैज ने आरोप लगाया कि युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया एक भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी है। रायपुर का जिला स ं चा ल क ल य ₹युक्तियुक्तकरण की मंडी₹ बन गया है, जहां खुलेआम बोलियां लगाई जा रही हैं और सौदेबाजी हो रही है। शिक्षकों और कर्मचारियों को मनमाने तरीके से दूरस्थ स्थानों पर भेजा जा रहा है।

बिजली व्यवस्था ध्वस्त, दाम फिर बढ़ेंगे: उन्होंने कहा, 17 महीनों में छत्तीसगढ़ की बिजली व्यवस्था बर्बाद हो गई। कटौती और लो-वोल्टेज से आम जनता परेशान है।ह्व बैज ने दावा किया कि भाजपा सरकार 20% बिजली दर बढ़ाने की तैयारी कर रही है, जबकि कांग्रेस शासन में छत्तीसगढ़ सरप्लस बिजली वाला राज्य था।

अपराध बेलगाम, पूर्व विधायक के परिजन तक असुरक्षित: प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए, बैज ने कहा, हर दिन हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं बढ़ रही हैं। अब तो पूर्व विधायकों के परिवारों तक को धमकी दी जा रही है। कोरबा की एक बच्ची का शव सिंगरौली में मिलता है, राजधानी में खुलेआम लाशें फेंकी जा रही हैं झ्र सरकार चुप है।

महिलाओं और किसानों से किया गया वादा भी अधूरा: बैज ने कहा कि सरकार ने रेडी टू ईट सप्लाई का काम महिला स्व सहायता समूहों को देने का वादा किया था, लेकिन 5 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट की घोषणा के बावजूद काम किसी को नहीं मिला। वहीं, डी.ए.पी. और अन्य उर्वरकों की भारी किल्लत के कारण किसान परेशान हैं, और कांग्रेस पार्टी इसके खिलाफ आंदोलन कर रही है।

भारत निर्वाचन आयोग ने 345 पंजीकृत अप्रमाणित राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू की

विजय मत, रायपुर

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में तथा निर्वाचन आयुक्तगण डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में भारत निर्वाचन आयोग (एउक) ने 345 पंजीकृत अप्रमाणित राजनीतिक दलों को डीलिस्ट (सूची से हटाने) करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ये वे दल हैं जो वर्ष 2019 से पिछले छह वर्षों में एक भी निर्वाचन में भाग लेने में असफल रहे हैं और जिनके कार्यालय भौतिक रूप से कहीं भी स्थित नहीं पाए गए।

इन 345 पंजीकृत अप्रमाणित राजनीतिक दलों का संबंध देशभर के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से है। आयोग के संज्ञान में आया है कि वर्तमान में पंजीकृत 2800 से अधिक पंजीकृत अप्रमाणित राजनीतिक दलों में से कई दल आवश्यक शर्तों को पूरा नहीं कर रहे हैं, जो RUPP बने रहने के लिए जरूरी हैं।

इसलिए, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एक राष्ट्रव्यापी अभ्यास किया गया जिसमें अब तक 345 ऐसे दलों की पहचान की गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी भी दल को अनुचित रूप से डीलिस्ट न किया जाए, संबंधित राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे दलों को कारण बताओ नोटिस जारी करें। इसके बाद, इन दलों को संबंधित सीईओ द्वारा सुनवाई का अवसर दिया जाएगा। किसी भी RUPP को डीलिस्ट करने का अंतिम निर्णय भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिया जाएगा। भारत में राजनीतिक दलों (राष्ट्रीय/राज्य/पंजीकृत अप्रमाणित) का पंजीकरण लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29अ के अंतर्गत किया जाता है। इस प्रावधान के तहत, कोई भी संघ एक बार राजनीतिक दल के रूप में पंजीकृत होने पर कर छूट जैसी कुछ विशेष सुविधाएं प्राप्त करता है। यह अभ्यास राजनीतिक प्रणाली की सफाई और ऐसे दलों की डीलिस्टिंग के उद्देश्य से किया गया है जो 2019 के बाद से लोकसभा, राज्य विधानसभाओं या उप निर्वाचनों में भाग नहीं ले सके हैं और जिन्हें भौतिक रूप से खोजा नहीं जा सका है। इस प्रक्रिया के पहले चरण में 345 RUPPs की पहचान की गई है।

शासकीय स्कूलों की स्थिति सुधारने में विनोबा एप होगा कारगर साबित

विनोबा टीम और जिला प्रशासन के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

विजय मत, राजनांदगांव

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे एवं ओपन लिंक फाउंडेशन के कंट्री हेड श्री संजय डालमिया द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं परिणाममूलक बनाने के लिए विनोबा एप के माध्यम से निःशुल्क सहयोग शिक्षक सहायता कार्यक्रम के लिए ओएमयू पर हस्ताक्षर किए गए।

जिले में विनोबा एप कार्यक्रम लांच किया गया। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के नेतृत्व में जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाये गए है। जिले में विनोबा एप प्रोग्राम का शुभारंभ किया गया है। जिला प्रशासन के शैक्षणिक कार्यक्रमों के बेहतरीन क्रियान्वयन एवं

शासकीय स्कूलों की स्थिति सुधारने में विनोबा एप कारगर साबित होगा। विनोबा एप के तहत मोबाइल एप के माध्यम से भी स्कूलों को आवश्यक सहयोग, जिसमें डेटा संग्रह करने से लेकर परीक्षा के प्रश्न पत्र और शिक्षा गुणवत्ता में वृद्धि के लिए लर्निंग आउटकम की प्राप्ति किस तरीके से समय सीमा में की जा सकती है, के संबंध में जानकारी होगी। साथ ही बोर्ड परीक्षाओं में बच्चों के रिजल्ट को बेहतर करने के लिए इस एप के माध्यम से क्या सहयोग मिलेगा की। साथ ही इस एप के माध्यम से बच्चों में छात्रवृत्ति परीक्षाओं को लेकर उनकी तैयारी तथा जेईई और नीट की तैयारी बेहतर तरीके से परिणाममूलक करने के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा। एप पर एक क्लिक के साथ ही यह एप शिक्षकों को उपलब्ध हो जाएगा। यह कार्यक्रम केवल शासकीय स्कूलों के लिए निःशुल्क सुविधाएं ओपन लिंक फाउंडेशन विनोबा एप के माध्यम से प्रदाय की जा रही है।

जो जिले के कलेक्टर श्री सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के प्रयास से संभव हो पाया है। कार्यक्रम के लिए जिले में मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री सुरूचि सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रवास सिंह बघेल, जिला मिशन समन्वयक श्री सतीश ब्योहरे, सहायक कार्यक्रम समन्वयक श्री मनोज मरकाम, समग्र शिक्षा एवं ओपन लिंक फाउंडेशन श्री जितेंद्र सिंह तथा श्री हेमंत साहू की उपस्थिति में कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई ।

कबीरधाम में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का 12वां चरण शुरू

कलेक्टर के निर्देश पर अभियान की स्वास्थ्य अधिकारी कर रहे है निगरानी

विजय मत, कवर्धा

जिले को मलेरिया से पूर्णतः मुक्त करने के संकल्प के साथ मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का बारहवां चरण कबीरधाम जिले में 25 जून से प्रारंभ हो गया है। यह चरण आगामी 24 जुलाई 2025 तक जिले के चिन्हित अति संवेदनशील, दुर्गम और मलेरिया प्रभावित ग्रामों में संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा के निर्देशन में चल रहे इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम सक्रिय है।

इस चरण में बोडला विकासखंड के 91 ग्राम, सहसपुर लोहारा के 16 ग्राम और पंडरिया के 1 ग्राम को शामिल

किया गया है। इन ग्रामों में 50,000 से अधिक लोगों की मलेरिया जांच का लक्ष्य रखा गया है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अभियान की प्रगति की नियमित निगरानी की जाए तथा औषधियों की आपूर्ति, भंडारण और वितरण व्यवस्था में कोई कमी न रहे। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल स्वास्थ्य सेवा नहीं, बल्कि जनहित का एक समर्पित प्रयास है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता जरूरी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एल. राज ने बताया कि अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर जांच की जा रही है। इसके लिए मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, क्षेत्र पर्यवेक्षक एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को पूर्व प्रशिक्षण दिया गया है। सभी व्यक्तियों की जांच त्वरित रोग पहचान किट के माध्यम से की जा रही है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

युद्ध में संयम और धैर्य जरूरी

पेंटागन ने हाल ही में घोषणा की कि अमेरिका ने ईरान पर जो अभियान चलाया था, उसका नाम ऑपरेशन मिडनाइट हैमर था। यह 21-22 जून, 2025 की मध्यरात्रि के आसपास ईरान की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिका के नेतृत्व में किए गए गुप्त सैन्य हमले का कोडनेम है।इसका उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करना था । जो लगभग सफल रहा है इस समन्वित हमले में 125 से अधिक सैन्य विमान शामिल थे, जिनमें बी-2 स्टील्थ बॉम्बर, 14 जीबीयू-57 बंकर-बस्टर बम की तैनाती और फारस की खाड़ी और अरब सागर में अमेरिकी पनडुब्बियों से लॉन्च की गई 30 से अधिक टॉमहॉक मिसाइलें शामिल थीं। सेटेलाइट इमेज से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि परमाणु सुविधा नष्ट हो गई है, विकिरण बाहर नहीं आ सकता क्योंकि यह बहुत गहरे भूमिगत में था। यह हमला पहली बार था जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने सबसे बड़े बंकर-बस्टिंग बम, जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (एमओपी) का इस्तेमाल किसी ऑपरेशनल संघर्ष में किया था। इस अभियान में फोर्डो और नतांज़ में दो यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं और इस्फ़हान में एक सुविधा को निशाना बनाया गया, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित कई गतिविधियों का संचालन करती है। नतांज़ और फोर्डो ईरान में एकमात्र परिचालन संवर्धन सुविधाएँ हैं। अमेरिका ने नातान्ज़ और फोर्डो पर एमओपी से सुसज्जित बी-2 बमवर्षकों से हमला किया तथा केवल इस्फ़हान पर टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों से हमला किया। फोर्डो इतना महत्वपूर्ण क्यों है? ईरानी शहर क़ोम से 29 किलोमीटर उत्तर में एक पहाड़ के भीतर स्थित, फोर्डो यूरेनियम संवर्धन सुविधा ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भीतर एक अत्यधिक संरक्षित और रणनीतिक रूप से केंद्रीय स्थल है। इसकी भूमिगत स्थिति संभावित हवाई बमबारी के खिलाफ महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करती है, एक डिज़ाइन विकल्प जो इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का संकेत देता है।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

आपातकाल का काला अध्याय : एक त्रासद स्मृति

अर्जुन राम मेघवाल

पचास वर्ष पूर्व, 25 जून 1975 का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन था जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर देश में आपातकाल की घोषणा की, जिसने देश के संविधान की आत्मा को कुचल कर रख दिया। इसके बाद देश में आपातकाल के 21 महीनों ने भारतवासियों की लोकतंत्र, सरकार और संवैधानिक विरासत की समझ को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया। यह वह क्षण था जब लोकतंत्र की जननी कहे जाने वाले भारत को तत्कालीन तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण और क्रूर निर्णय से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

इस कदम से देश में कांग्रेस के तानाशाही शासन की शुरुआत हुई। जनता को संविधान से मिली आजादी रातों-रात समाप्त कर दी गई। अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने और देश के भीतर आने-जाने की स्वतंत्रता एक झटके में खत्म कर दी गई। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देने वाला अनुच्छेद 21 निरर्थक हो गया। सबसे दुखद यह था कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के जिस अनुच्छेद 32-जो नागरिकों को न्यायालय जाने का अधिकार देता है– को संविधान की आत्मा कहा था, उसे भी निरस्त कर दिया गया। आपातकाल के दमनचक्र के पहले शिकार वे विपक्षी नेता बने जिन्होंने सरकार की नीतियों का विरोध किया था। हजारों लोगों को कठोर मीसा(मेंटिनेंस ऑफ इंटरनल सेक्युरिटी एक्ट) और भारत रक्षा अधिनियम (डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट) के तहत जेल में डाला गया, इसके बाद धीरे-धीरे देश का हर नागरिक देश पर थोपे गए आपातकाल के इस काले अध्याय के घावों का अनुभव करने लगा था।

इस कालखंड में देश की लोकतात्रिंक व्यवस्था के तीन स्तंभ कहे जाने वाले कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर अभूतपूर्व हमला हुआ। इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण निर्णयों के दंश आज भी देश की जनता के मानस पटल पर एक भयावह स्मृति के रूप में अंकित हैं। मेरे 90 वर्षीय दादा जी को उसी दौर में अपने रोज़मर्रा के काम के दौरान गायों की देखभाल करते हुए ऊंगली में गहरी चोट लग गई थी जिसके इलाज के लिए उन्हें बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन अस्पताल में उन्हें पता चला कि नसबंदी लक्ष्यों को पूरा करने के सरकारी दबाव के चलते डॉक्टर उन्हें जबरदस्ती नसबंदी के लिए तैयार कर रहे हैं। इस अमानवीय स्थिति को भांपते हुए मेरे दादा जी अस्पताल से भाग निकले और बिना इलाज के वापस लौट गए। इस प्रकार जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले अस्पताल भयावह कष्ट देने वाले केन्द्र के रूप में बदल गए थे। हालांकि वे बच गए, लेकिन उस भयावह अनुभव ने पूरे समुदाय को गहरे डर और सदमे से भर दिया था। दुर्भाग्यवश 1975 से 1977 के बीच एक करोड़ से अधिक लोगों की जबरन नसबंदी करा दी गई- यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे शर्मनाक अध्याय बन गया।

उस काले दौर में प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग केवल एक परिवार के हित में किस हद तक किया गया, इसका सबसे बड़ा उदाहरण 24 मार्च 1976 को संजय गांधी की बीकानेर यात्रा थी। न तो उनके पास कोई संवैधानिक पद था, न ही वे राजकीय अतिथि थे, फिर भी उनके स्वागत में सरकारी संसाधनों की खुलकर बर्बादी की गई। उस समय मैं डाक एवं तार विभाग में टेलीफोन ऑपरेटर था और मुझे यह जानकर घोर आश्चर्य हुआ कि रैली में विशिष्ट लोगों के लिए बनाए गए मंच के नीचे अस्थायी टेलीफोन कनेक्शन लगाने के आदेश दिए गए–जबकि ऐसी व्यवस्था केवल प्रधानमंत्री के लिए की जाती है। यह घटना सरकारी तंत्र पर संजय गांधी के न केवल अनुचित प्रभाव को दर्शाती है, बल्कि यह बताती है कि कैसे तत्कालीन सरकारी तंत्र को व्यक्तिगत और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हेतु काम करने के लिए विवश कर दिया गया था।

ऐसे दौर में जबकि सामान्य जनता के मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे, तब जनता के पैसों से किए गए ऐसे दिखावे संविधान की गरिमा के प्रति घोर उपेक्षा और सरकार के नैतिक पतन को दर्शाते हैं। वह भारत में लोकतंत्र के हनन का सबसे बुरा दौर था।

आपातकाल के दौरान संविधान में सरकार के तानाशाही रवैये की पुष्टि करने वाले संशोधन किए गए जिससे लोकतंत्र की आत्मा को गहरी चोट पहुंची और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विभिन्न अंगों के बीच असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हुई। संविधान में 38वां संशोधन करके आपातकाल की घोषणा की समीक्षा करने में न्यायालय की भूमिका समाप्त कर दी गई तथा अध्यादेश जारी करने के मामले में राष्ट्रपति व राज्यपाल के अधिकार बढ़ा दिए गए। इसके तुरंत बाद 10 अगस्त 1975 को लागू किए गए 39वें संविधान संशोधन द्वारा से न्यायालयों को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं लोकसभा अध्यक्ष जैसे उच्च पदों से जुड़े चुनावी मामलों की न्यायिक समीक्षा करने से रोक दिया गया। यह इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा प्रधानमंत्री के विरूद्ध दिए गए निर्णय के बाद श्रीमती गांधी को न्यायालय के प्रति जबावदेही से बचाने की एक सोची-समझी चाल थी। ऐसा करके न्यायपालिका की स्वतंत्रता को जानबूझकर कुचला गया। इस संविधान संशोधन के बाद 'ए.डी.एम. जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला' के मामले की काफी चर्चा हुई थी जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित करने के निर्णय को सही ठहराया था। उस मामले में न्यायमूर्ति एच.आर. खन्ना ही अकेले न्यायाधीश थे जिन्होंने उस निर्णय से अपनी असहमति जताई थी और नागरिक स्वतंत्रता का समर्थन किया था।

> इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीमती गांधी को 1971 के लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी करने का दोषी ठहराते हुए उनका लोकसभा के लिए निर्वाचन अमान्य घोषित कर दिया था। इसके बाद श्रीमती गांधी के इस्तीफे की मांग बढ़ती गई और इसी बीच इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को एक सादे कागज पर (बिना कैबिनेट की सहमति और आधिकारिक लेटरहेड के) अनुच्छेद 352 के तहत आंतरिक अशांति के आधार पर देश में आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दी। यह देश की संवैधानिक शासन व्यवस्था पर सीधा प्रहार था। अगले दिन 26 जून 1975 को सुबह 6 बजे कैबिनेट की बैठक में यह विषय औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया गया।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

देश की एकता व अखंडता के लिये खतरनाक है भाषाई विवाद

निर्मल रानी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि इस देश में अंग्रेज़ी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफ़ी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेज़ी को रोज़गार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेज़ी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। जबकि कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमज़ोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नज़रों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्रेज़ी बोलते हैं। कई प्रमुख मंत्री हैं तो ऐसे भी हैं जो अंग्रेज़ी में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए ही जाने जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण अंग्रेज़ी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से अर्थशास्त्र की डिग्री धारक है। वित्तीय नीतियों पर वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके अंग्रेज़ी बोलने के कौशल को दर्शाते हैं। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनयिक भी रहे हैं, अंग्रेज़ी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और कूटनीतिक चर्चाओं में प्रायः अंग्रेज़ी का व्यापक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अंग्रेज़ी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेज़ी उनकी क़ाबलियत में चार चाँद लगाती है। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेज़ी में संवाद करते हैं।

ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेज़ी बोलने वालों को शर्म आएगी,इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद ज़रूरी है। क्यों शर्म आयेगी अंग्रेज़ी बोलने वालों को ? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर पर ही सही परन्तु अंग्रेज़ी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं ? कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइये ,यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेज़ी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेज़ी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों,सांसदों व अधिकारियों व राज्य स्तरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमेरिका,ब्रिटेन,ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। ज़ाहिर है राष्ट्रवादियों की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के लिये नहीं गयी हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेज़ी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेज़ी बोलने में शर्म आएगी ?

इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं। परन्तु अदालत से लेकर संसद व दूतावासों तक व मेडिकल व विज्ञान शिक्षा में ख़ासकर प्रयुक्त होने वाली अंग्रेज़ी भाषा को शर्म वाली भाषा तो हरगिज़ नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री के अनुसार यदि शर्म ही आने की संभावना है तो कम से कम अपनी सरकारी योजनाओं का मेक इन इंडिया,डिजिटल इंडिया,स्टार्टअप इंडिया जैसा अंग्रेज़ी नाम तो न रखते ? इस सम्बन्ध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेज़ी सीखना आर्थिक रूप से उपयोगी है और इससे रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं। राहुल गांधी ने शाह के इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता पर हमला बताया। कांग्रेस ने तो इसे सांस्कृतिक आतंकवाद का हिस्सा बताया और कहा कि अंग्रेज़ी वैश्विक संदर्भ में भारत के युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके ने भी शाह के बयान को हिंदी थोपने की एक और कोशिश के रूप में देखा है । डीएमके ने तर्क दिया कि अंग्रेज़ी भारत की भाषाई विविधता को जोड़ने वाली कड़ी है और इसे कमज़ोर करना देश की एकता के लिए हानिकारक हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने अन्नादुरै का हवाला देते हुए कहा कि हिंदी को जबरन थोपना स्वीकार्य नहीं है। इसी तरह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने शाह की टिप्पणी को उनकी संकीर्ण राजनीति का परिचायक बताया और कहा कि अधिक भाषाएं सीखने से ज्ञान में वृद्धि होती है, न कि शर्मिंदगी। भारत में लोग अपनी पसंद की भाषा बोलने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेज़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण सेतु है। यह न केवल रोज़गार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके विपरीत अंग्रेज़ी को हटाने या कम करने से भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित हो सकती है।

इसलिये कहा जा सकता है कि अमित शाह का बयान अदूरदर्शी होने के साथ साथ पूर्वाग्रह पूर्ण भी है जोकि भारत की भाषाई विविधता को नज़रअंदाज़ करता है। वैसे भी हमारे समाज में अंग्रेज़ी बोलने वालों को हमेशा इज़्ज़त की नज़र से देखा जाता है, इसलिये भी यह बयान सामाजिक समानता के विरुद्ध है। रहा सवाल अंग्रेज़ी को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ने की मानसिकता को औपनिवेशिक सोच से जोड़ने का परिणाम बताना तो हमारा पहनावा,उपयोग की वस्तुयें,क्रॉकरी,मकानों की बनावट वैज्ञानिक सामग्रियों पर बढ़ती निर्भरता यह सब भी पश्चिमी प्रभाव का ही परिणाम है। हम किन किन चीज़ों को पश्चिमी कहकर ठुकराते रहेंगे ? इस तरह के ग़ैरज़िम्मेदाराना बयानों से हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं का भला तो नहीं होगा बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण ज़रूर बढ़ सकता है। ख़ासकर दक्षिणी राज्यों में इसे क्षेत्रीय अस्मिता पर हमले के रूप में भी देखा जा सकता है। इसलिये देश की एकता व अखंडता के लिये भाषाई विवाद खड़ा करना बेहद ख़तरनाक है।

> पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेज़ी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेज़ी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टैनफ़ोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेज़ी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेज़ी में पूरी तरह से पारंगत हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय

हर्षवर्धन पान्डे

25 जून 1975 रायसीना हिल्स का नज़ारा देखने लायक था तब शायद ही किसी ने कल्पना की हो इसी रायसीना हिल्स से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का काफिला यहां से गुजरेगा तब तक किसी को पता नहीं था कि इसके बाद भारत के राजनीतिक इतिहास पर एक कलंक लगने वाला है। एक ऐसा धब्बा जो कभी न मिटाई जा सकने वाली याद के रूप में इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज हो जाएगा। उसका नाम आपातकाल था और आज भी उस आपातकाल के 50 बरस पूर्ण होने की याद जेहन में एक सिहरन पैदा करती है। उस दौर को जिसने जिया है वो आपातकाल को आज भी नहीं भुला पाता है। भारत के इतिहास में 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक का समय एक अंधेरे दौर के रूप में जाना जाता है, जिसे आपातकाल के नाम से याद किया जाता है। इस काल में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की थी। यह निर्णय देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर एक गहरा आघात था, जिसके परिणामस्वरूप नागरिक स्वतंत्रता का हनन, प्रेस की आजादी पर अंकुश और राजनीतिक विरोधियों का दमन हुआ। 25 जून 1975 की रात को राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने इंदिरा गांधी की सलाह पर आपातकाल की घोषणा की। इसके तहत संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत प्रदत्त बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निलंबित कर दिया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा कर भय, आतंक और दहशत का माहौल बना दिया। नागरिकों के मूल अधिकारों को सीमित कर दिया गया। समाचार पत्रों और मीडिया पर सख्त सेंसरशिप लागू की गई। सरकार के खिलाफ कोई भी आलोचनात्मक लेख या समाचार प्रकाशित करने पर प्रतिबंध था। कई समाचार पत्रों ने विरोध में खाली पन्ने छापे।जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, लालकृष्ण आडवाणी जैसे प्रमुख विपक्षी नेताओं को मीसा के तहत गिरफ्तार किया गया। हजारों कार्यकर्ताओं को जेल में डाल दिया गया।आपातकाल के दौरान सरकार ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए जबरन नसबंदी अभियान चलाया, विशेष रूप से संजय गांधी के नेतृत्व में। यह नीति विशेष रूप से ग्रामीण और गरीब वर्गों के लिए उत्पीड़न का कारण बनी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8410

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	8		9		■	■	
10		11	■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. लाचार, बेबस-3
3. प्राण, जान-3
5. दुर्ग, फोर्ट-2
6. सद्पुरुष-2
8. कवायद-4
10. प्रतिघात, मुआवजा-3
12. कंठ, गला-3
13. लकड़ी-2
14. प्रथम मानव-2
15. धोखेबाज, कपटी-3
17. माजरा, घटना-3
19. कहासुनी, झंझट -4
21. संबोधन-2
23. चावल-2
24. रगड़ना, लगाना-3
25. वादा, प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1. लता, लतिका-2
2. चावल (अंग्रेजी-3)
3. हूर, अप्सरा-3
4. आकाश, व्योम-2
5. शायरी करनेवाला-3
7. योग्य, उपयुक्त-3
8. अदाकार, फनकार-4
9. घोड़ागाड़ी-2
12. बजरंगबली-4
15. माह, मास-3
16. जांघ, जंघा-2
18. धिक्कार, फटकार-3
19. मामूली, तुच्छ-3
20. बहने का भाव-3
22. संस्कृत में 'मेरा'-2
23. होश, आभास-2

शब्द पहेली -8409 का हल

आ	ह	■	प	र	दा	■	क	म
ग	■	क	ना	त	■	र	च	ना
■	क	ल	ह	■	ग	ह	रा	■
श	र	म	■	ह	र	म	■	स
री	म	■	आ	रा	म	■	क	म
फ	■	शी	स	म	■	न	ह	र
■	क	त	रा	■	अ	म	र	■
बा	द	ल	■	रा	ज	न	■	त
ज	र	■	ज	ह	र	■	द	वा

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.44 बजे से
चंद्र	कर्क में	सिंह	09.01 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.12 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.23 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.38 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	17.54 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.59 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.45 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.18 बजे से
राहुकाल	10.30 से 12.00 बजे तक	मेष	00.49 बजे से
		वृष	02.29 बजे से
		मिथुन	04.27 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 178 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 11.20 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 07.22 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 21.10 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.20 बजे तदनन्तर तैतिल 22.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 01.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 19'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872388
जूलियन दिन 2460853.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 01
विशेष जगन्नाथ रथयात्रा।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से 07.23	बजे तक	रोग	05.38	से 07.1	बजे तक
लाभ	07.23	से 08.51	बजे तक	काल	07.11	से 08.43	बजे तक
अमृत	08.51	से 10.19	बजे तक	लाभ	08.43	से 10.15	बजे तक
काल	10.19	से 11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15	से 11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से 01.15	बजे तक	शुभ	11.47	से 01.19	बजे तक
रोग	01.15	से 02.43	बजे तक	अमृत	01.19	से 02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43	से 04.10	बजे तक	चर	02.51	से 04.23	बजे तक
चर	04.10	से 05.38	बजे तक	रोग	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सार समाचार

कुरूद परियोजना के 4 आंगनबाड़ी केन्द्रों में की जाएगी सहायिका की भर्ती

धमतरी। एकीकृत बाल विकास परियोजना कुरूद के तहत 4 आंगनबाड़ी केन्द्रों में सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती की जानी है। इनमें आंगनबाड़ी केन्द्र डांडेसरा, सिवनीकला, भैंसबोडद्व और राखी शामिल है। इसके लिए एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय कुरूद में आगामी 10 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय कुरूद में सीधे अथवा पंजीकृत डाक से भेजा जा सकता है। परियोजना अधिकारी ने बताया कि आंगनबाड़ी सहायिका का पद पूरी तरह से मानसेवी तथा अशासकीय पद है और शासन द्वारा निर्धारित मानदेय प्रतिमाह दिया जाएगा। इसके लिए 18 से 44 साल तक की आयु की, कम से कम आठवीं पास शैक्षणिक योग्यताधारी और उसी गांव की निवासी आवेदन कर सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व में अनुभवी कार्यकर्ता अथवा सहायिका कों अनुभव का अंक प्रदाय किया जाएगा। इस संबंध मे विस्तृत जानकारी के लिए एकीकृत बाल विकास कार्यालय, कुरूद से सम्पर्क कर नियुक्ति नियमावली का अवलोकन किया जा सकता है।

बालिका शिक्षा योजना अंतर्गत नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश

नारायणपुर। एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा संचालित बैलाडीला लौह अयस्क खान, जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के नैगमिक सामाजिक दायित्व (सैड) कार्यक्रम के अंतर्गत बालिका शिक्षा योजना के अंतर्गत बस्तर संभाग की आदिवासी बालिकाओं को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने हेतु नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। उक्त योजना वर्ष 2011 से प्रारंभ की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य बस्तर क्षेत्र दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, बस्तर, कोण्डागांव एवं नारायणपुर की गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली आदिवासी छात्राओं को निशुल्क गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक शिक्षा उपलब्ध कराना है। वर्तमान में बालिका शिक्षा योजना 2025 के अंतर्गत कुल 200 सीटों पर नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना के अंतर्गत छात्राओं को प्रतिष्ठित अपोलो स्कूल ऑफ नर्सिंग, किम्स कॉलेज ऑफ नर्सिंग तथा यशोदा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, हैदराबाद में अध्ययन का अवसर प्राप्त होगा।

जिले में 1155 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

उत्तर बस्तर कांकेर। जिले में 01 जून से अब तक कुल 1155 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक सर्वाधिक वर्षा बादे तहसील में 271.9 मिलीमीटर तथा सबसे कम कांकेर तहसील में 31.0 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। इसी प्रकार भानुप्रतापपुर तहसील में 86.8 मिलीमीटर, दुगूर्कोदल में 95.2 मिलीमीटर, चारामा.में 71.2 मिमी., अंतागढ़ में 156.3, पखांजूर में 111.3, नरहरपुर में 93.0, सरोना में 56.1, आमाबेड़ा में 127.4 और कोयलीबेड़ा में 55.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटे में बांदे तहसील में सबसे अधिक 271.9 मिलीमीटर और कांकेर तहसील में सबसे कम 31 मिलीमीटर वर्षा आंकी गई है।

नशामुक्ति के लिए जिले में निकाली गई रैली, किए गए वृक्षारोपण

धमतरी। अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के मौके पर आज जिले मे नशामुक्ति के लिए रैली निकाली गई। जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस रैली की शुरूआत जिला अस्पताल धमतरी से हुई। रेडक्रॉस सोसयटी के वॉलिंटियर्स और जिला अस्पताल के निर्सिंग प्रशिक्षुओं द्वारा निकाली गई इस नशामुक्ति रैली को नगरनिगम महापौर रामू रोहरा ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इसके अलावा गौरव ग्राम कण्डेल में भी विद्यार्थियों द्वारा नशामुक्ति रैली निकाली गई। यह रैली दिव्यांग प्रेरणा जनकल्याण समिति धमतरी द्वारा निकाली गई इस रैली को शासकीय माध्यमिक विद्यालय कंडेल के प्रभारी प्रधानपाठक नीलमणी बोदेले ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी और दिव्यांग प्रेरणा जनकल्याण समिति के सदस्यों तथा ग्रामीणजनों ने नशा विरोधी संदेश देते हुए लोगों को जागरूक किया। यह रैली शासकीय माध्यमिक विद्यालय से होते हुए सुभाष चौक तक निकाली गई।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों को सम्मानित कर, विभिन्न संस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई

ऑडिटोरियम तिलसिवां में मनाया गया जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव

विजय मत, सूरजपुर

मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में माँ सरस्वती के तैलचित्र में दीप प्रज्वलन कर शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम की शुरूआत की गई। ऑडिटोरियम तिलसिवां सूरजपुर में आज जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें नवप्रवेशी विद्यार्थियों को सम्मानित कर, विभिन्न संस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम में बालवाड़ी से लेकर 12 वीं कक्षा के 27 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, इसके साथ ही इस अवसर पर 06 पालक, 06 शिक्षक व देहदान करने वाले सेवा निवृत्त शिक्षक श्री सुभाष पाण्डेय को भी विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम समापन के पश्चात कक्षा 09 वीं की 05 छात्रओं को सायकल वितरण किया गया, इसके साथ ही 10 दिव्यांग छात्र को सहायक सामाग्री भी वितरित किया गया।महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने स्कूली बच्चों से शाला प्रवेश उत्सव में संवाद करते हुए कहा कि केवल डिग्री के लिए पढ़ाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यवहारिक ज्ञान और जीवनोपयोगी स्किल भी सफलता के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जो छात्र लगातार सीखने के लिए उत्सुक रहते हैं, वही जीवन में आगे बढ़ते हैं। कार्यक्रम में उन्होंने नवप्रवेशी बच्चों को पुस्तकें और गणवेश वितरित किए और उन्हें नए शिक्षण सत्र के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा शिक्षक बच्चों के भविष्य के निमार्ता। उनके बेहतर भविष्य के लिए शिक्षक, पालक व प्रशासन सभी मिलकर अपनी सहभागिता दें। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा विद्यालय एक मंदिर है यहां अच्छी शिक्षा प्राप्त कर बेहतर नागरिक बने और देश विकास में भागीदार बने।इस अवसर पर प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाने हेतु शासन कटिबद्ध है। अभिभावकों, शिक्षकों एवं प्रशासन को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा अच्छी शिक्षा ग्रहण करें, अच्छा कार्य करे और सम्मान को प्राप्त करें। उन्होंने उपस्थित शिक्षकों को कहा जिले मे शिक्षा का परिणाम शत प्रतिशत हो इस दिशा में कार्य करें। पूर्व गृहमंत्री व वन विकास निगम के अध्यक्ष राम सेवक पैकरा कहा कि शिक्षा हमारे जीवन का आधार है। एक विद्यार्थी के जीवन में शिक्षक एक ऐसा महत्वपूर्ण व्यक्ति होता है, जो अपने ज्ञान, धैर्य और देखभाल से विद्यार्थी के जीवन को एक मजबूत आकार देता है। इसलिए छात्र जीवन में हमें सदैव अपने गुरु के सानिध्य में शिक्षा के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने सभी नवप्रवेशी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

जोबी जर्वे से पिसौद होते पीथमपुर तक सड़क निर्माण की मांग

जांजगीर-चाम्पा। जिला मुख्यालय जांजगीर में बने ओवर ब्रिज जोबी से जर्वे च पिसौद होते बाबा कलेश्वर नाथ की नगरी ग्राम पीथमपुर तक नया सड़क निर्माण की मांग प्रदेश के वित्त मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी को ज्ञापन सौपा ज्ञापन।

जनपद पंचायत बलौदा के सदस्य डकेश्वर यादव ने भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री ओपी चौधरी से सप्रेम भेंट कर उनके निवास ग्राम पंचायत जोबी से जर्वे च पिसौद होते बाबा कलेश्वर नाथ की नगरी ग्राम पीथमपुर तक नया सड़क निर्माण की मांग की गयी। जिसपर मंत्री ओपी चौधरी ने आश्वाशन दिया है कि कुछ माह बाद सड़क निर्माण की बजट स्वीकृति प्रदान कर दिया जाएगा बहुत जल्द चौड़ीकरण कर रोड को बनाया जाएगा।

कोंडागांव से 300 किमी की पदयात्रा कर पहुंचेंगे राजधानी

नियमितीकरण की मांग को लेकर फिर सड़क पर उतरे चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी

विजय मत, कोंडागांव

राज्य सरकार से नियमितीकरण की मांग को लेकर बस्तर अंचल के चतुर्थ वर्ग कर्मचारी एक बार फिर आंदोलित हो गए हैं। सोमवार से कोंडागांव जिले के बनियागांव से रायपुर विधानसभा की ओर 300 किलोमीटर लंबी पदयात्रा शुरू की गई है। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी, छोटे बच्चे और दिव्यांग कर्मचारी भी शामिल हैं। आंदोलनकारी कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि राजधानी पहुंचने के बाद भी मांगे नहीं मानी गईं, तो वह विधानसभा के सामने अनिश्चितकालीन धरना पर बैठ जाएंगे। बता दें कि इस पदयात्रा में कई महिलाएं अपने छोटे बच्चों को गोद में उठाए हुए हैं, तो कुछ हाथ पकड़कर उन्हें साथ लिए चल रही हैं। कंधों पर सामान और पैरों में छाले लिए कर्मचारी कड़ी धूप और बारिश में भी राजधानी तक पहुंचने का संकल्प लेकर निकले हैं।

पहले भी हुआ था आंदोलन, सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप

गौरतलब है कि इन्हीं कर्मचारियों ने 1 मई को जगदलपुर से रायपुर तक पदयात्रा की शुरूआत की थी। उस समय अधिकारियों ने आश्वासन देकर आंदोलन को बनियागांव में रोक दिया था। लेकिन दो महीने बीत जाने के बाद भी कोई निर्णय न होने से कर्मचारी संघ ने अब दोबारा पदयात्रा प्रारंभ कर दी है।

अस्थायी कर्मचारियों का छलका दर्द: चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष आत्मानंद मौर्य ने बताया कि वर्ष 2014 और 2018 में बड़ी संख्या में कर्मचारी भर्ती किए गए थे, जिनमें अधिकांश अब भी अस्थायी रूप से कार्यरत हैं। कुछ कर्मचारियों को नियमित वेतनमान मिला है, जबकि बड़ी संख्या आज भी इससे वंचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार समान कार्य के बदले समान वेतन और स्थायित्व देने में विफल रही है।

सरकार को चेतावनी

मांगे नहीं मानी गईं तो विस के सामने करेंगे धरना

कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि राजधानी पहुंचने पर भी सरकार ने कोई ठोस निर्णय नहीं लिया, तो विधानसभा के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। संघ ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से शीघ्र हस्तक्षेप कर मांगों पर निर्णय लेने की अपील की है।

पुनः बहाल हुई विद्युत आपूर्ति, ग्रामीणों ने जताया मुख्यमंत्री के प्रति आभार

- मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल पर ग्राम जोकारी में लगाया गया नया ट्रांसफार्मर

विजय मत, कुनकुरी

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल पर ग्राम जोकारी में विद्युत आपूर्ति पुनः शुरू हो गई है। ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को अब बड़ी राहत मिली है। विद्युत आपूर्ति बहाल होने पर ग्रामवासियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि कुनकुरी तहसील के ग्राम जोकारी के वार्ड क्रमांक 8 में ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण ग्रामीणों को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या से परेशान ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर तत्काल समाधान की मांग की थी। कैंप कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की, जिसके तहत विद्युत विभाग द्वारा ग्राम में नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया। इससे बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से बहाल हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा बगिया में स्थापित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में जनसमस्याओं का तत्परता के साथ समाधान किया जाता है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कोसाबाड़ी मंडल में पौधारोपण कार्यक्रम

विजय मत, कोरबा

भारतीय जनता पार्टी कोरबा द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चलाए जा रहे प्रेरणादायी अभियान एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत कोसाबाड़ी मंडल के मिनीमाता गर्ल्स कॉलेज, घंटाघर परिसर में एक भव्य पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपापदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकताओं और आम नागरिकों की सक्रिय उपस्थिति रही। सभी ने सामूहिक रूप से पौधारोपण कर हरियाली को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, कोरबा नगर निगम महापौर संजू देवी राजपूत एवं भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने करकमलों से पौधे रोपे और उपस्थित जनसमुदाय को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित किया। यह अभियान केवल एक प्रतीकात्मक पहल नहीं, बल्कि हमारी मातृभूमि और प्रकृति के प्रति सच्ची श्रद्धा व्यक्त करने का माध्यम है।अपने संबोधन में भाजपा नेताओं ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान व्यक्तिगत भावनाओं को सामाजिक दायित्व से जोड़ने वाली अभिनव सोच है, जो हर व्यक्ति को प्रकृति के संरक्षण हेतु संकल्पबद्ध करता है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली और शुद्ध वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आम का पौधा रोपित कर हरियाली को अपनाने का दिया संदेश

कनकपुर में जिला स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

विजय मत, सूरजपुर

कनकपुर में एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत आज जिला स्तरीय वृक्षरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाडे. ने आम के पौधे का रोपण कर हरियाली को अपनाने का संदेष दिया। उन्होंने अपने संदेश में कहा, प्रकृति और मातृत्व का अटूट संबंध है। मां की ममता की तरह ही पेड़ भी हमें जीवनदायिनी वायु, फल, छाया और पर्यावरण संरक्षण देते हैं। यह अभियान हमारे बच्चों के लिए एक सुरक्षित और हरित भविष्य की नींव रखता है। वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर जिले भर में एक साथ 2 लाख 38 हजार 994 पौधे रोपित किये गए।

वृक्षारोपण हमारे पर्यावरण और जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण

कार्यक्रम स्थल में भूलन सिंह मरावी ने कहा कि वृक्षारोपण हमारे पर्यावरण और जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न केवल हमें शुद्ध हवा और ऑक्सीजन प्रदान करता है, बल्कि जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। वृक्षारोपण से मिट्टी का कटाव रुकता है और जल संरक्षण में भी सहायता मिलती है। कलेक्टर एस जयवर्धन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, वृक्षारोपण की पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए हरा-भरा व स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करेगा।

जिसके तहत जिले के विभिन्न स्थल जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर 31354, अन्य स्थानों पर 1,09,135 तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों के घर 98505 पौधों का रोपण किया गया। अभियान अंतर्गत सभी शासकीय स्कूल, आंगनबाड़ी, शासकीय भवन, स्वास्थ्य केन्द्र, पंचायत भवन व स्व सहायता समूह की महिलाओं के घरों पौधों का रोपण किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के 45,833 हितग्राहियों के घरों में भी पौधा किया गया। आज का सामुहिक वृक्षारोपण अभियान पर्यावरण को समर्पित तो है ही इसके साथ ही जल संचय सूरजपुर को मुर्तरूप देने के लिए प्रषासन के द्वारा उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। इस अभियान का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण है, बल्कि आमजन में वृक्षों के प्रति भावनात्मक जुड़ाव भी स्थापित करना है।

खास-खबर

एनीमिया मुक्त भारत बनाने प्रशासन का ह्यरक्त शक्ति महा-अभियान

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में 65 हजार महिलाओं का निशुल्क ब्लड-टेस्ट

विजय मत, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही

छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले को एनीमिया मुक्त बनाने और महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर करने के उद्देश्य से प्रशासन ने एक सराहनीय पहल की है। प्रशासन ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत रक्त शक्ति महा-अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान के तहत जिलेभर में कैंप लगाकर 13 वर्ष से 45 वर्ष तक की आयु वर्ग की महिलाओं का हीमोग्लोबिन टेस्ट किया जा रहा है। यह पूरी प्रक्रिया निशुल्क है और इसका उद्देश्य महिलाओं में खून की कमी को समय रहते पहचानकर इलाज सुनिश्चित करना है।

तीनों विभागों की संयुक्त पहल: यह महा अभियान जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त पहल है, जो नारी सशक्तिकरण और स्वस्थ समाज की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

गांव-गांव में दिखा जबरदस्त उत्साह

इस अभियान को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में खासा उत्साह देखने को मिला है। महिलाएं स्वेच्छा से जांच कैंपों में पहुंच रही हैं और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

230 स्थानों पर एक साथ चल रही जांच

जिले में कुल 230 स्थानों पर मेडिकल टीम लगाई गई है, जो एक ही दिन में व्यापक स्तर पर जांच कर रही हैं. पूरे अभियान में लगभग 65 हजार महिलाओं की जांच का लक्ष्य रखा गया है। इस महा अभियान की शुरूआत कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी ने की। उनके साथ अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे, एसडीएम ऋचा चंद्राकर, सीईओ नम्रता शर्मा, जिला खेल अधिकारी संजीव डेविड और गौरेला नगर पालिका उपाध्यक्ष रोशनी शर्मा ने भी अपना हीमोग्लोबिन टेस्ट कराकर अभियान को गति दी।

2 लाख 38 हजार 994 पौधों का हुआ सूरजपुर में सामूहिक वृक्षारोपण

विजय मत, सूरजपुर

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित जन-जागरूकता अभियान एक पेड़ मां के नाम 2.0 के अंतर्गत आज सूरजपुर जिले में अभूतपूर्व वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले भर में एक ही दिन में कुल 2 लाख 38 हजार 994 पौधों का एक साथ रोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की गई।

मुख्य कार्यक्रम ग्राम पंचायत कनकपुर में संपन्न-जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत सूरजपुर के ग्राम पंचायत कनकपुर में किया गया, जहाँ यह आयोजन एक पर्व का रूप ले चुका था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मराबी, जिला पंचायत अध्यक्ष चन्द्रमणी पैकरा, जनपद पंचायत सूरजपुर की अध्यक्ष स्वाती संत सिंह, कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी कमलेश नंदनी साहू उपस्थित रहे।

नशीली इंजेक्शन से मौत, युवती समेत दो आरोपी पकड़ाया

विजय मत, रायपुर

रायपुर। नशीली इंजेक्शन से मौत मामले में संतोष कुमार मिश्रा और साधना अग्रवाल उर्फ भुरी उर्फ मुस्कान को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि थाना कबीर नगर क्षेत्रांतर्गत स्थित वाल्मिकी नगर कबीर नगर रोड के पास एक व्यक्ति को एक सफेद रंग की क्रेटा कार क्रमांक सी जी 04 पी वाय 1388 से बाहर धकेला गया है। जिस पर पुलिस टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुंची जहां एक व्यक्ति बेसुध हालत में मिला जिसके हाथ के कलाई में गोदना में मंदीप सिंह लिखा था। जिसे उपचार हेतु एम्स अस्पताल रवाना किया गया। जांच के दौरान चिकित्सकों द्वारा व्यक्ति को मृत होना बताया गया। प्रकरण में थाना कबीर नगर में मर्ग क्र. 21/2025 कायम किया गया। मर्ग जाँच मृतक मनदीप सिंह को नशीली इंजेक्शन लगाने से ओवरडोज हो जाने एवं मृतक का इलाज न कराकर कार से बाहर फेंक देने से मृत्यु होना पाए जाने से अपराध क्रमांक-105/2025 धारा 105, 3(5) इठर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण को पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेंद सिंह द्वारा गंभीरता पूर्वक लेते हुए आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रकरण की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम दौलत राम पोर्ते, नगर पुलिस अधीक्षक आजाद चौक अमन कुमार के निर्देशन में थाना प्रभारी कबीर नगर द्वारा टीम तैयार कर प्रकरण में संदिग्ध कार एवं उसमें सवार लोगों के संबंध में पता तलाश करने पर कार में सवार व्यक्ति साधना अग्रवाल उर्फ भूरी पिता गोविंद अग्रवाल उम्र 19 वर्ष निवासी कबीर नगर रायपुर एवं संतोष मिश्रा पिता गणपति मिश्रा उम्र 44 वर्ष निवासी हीरापुर थाना कबीरनगर रायपुर को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में आरोपियों/संदिग्धों ने बताया कि उक्त क्रेटा कार संतोष मिश्रा का है तथा मृतक का नाम मनदीप सिंह है जो कि ड्रग्स का नशा करता था जो हम दोनों के साथ नशा कर रहे थे और इंजेक्शन के माध्यम से मृतक मनदीप के नस में नशीला पदार्थ को इंजेक्ट कर रहे थे जिसकी अचानक तबियत बिगड़ने पर कैनाल रोड किनारे वाल्मिकी नगर के सामने कार से नीचे धकेल कर भाग जाना स्वीकार किये की आरोपी संतोष मिश्रा से क्रेटा कार क्रमांक CG-04, P -1388 एवं आरोपीया साधना अग्रवाल उर्फ भुरी से आलाजरब जप्त किया गया एवं प्रकरण में आरोपियान को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। गिरफ्तार आरोपी 01. साधना अग्रवाल उर्फ भूरी उर्फ मुस्कान पिता गोविंद अग्रवाल उम्र 19 वर्ष निवासी श्याम चेम्बर के पीछे कबीर नगर रायपुर। 02. संतोष मिश्रा पिता गणपति मिश्रा उम्र 44 वर्ष निवासी वीरसावरकर नगर हीरापुर थाना कबीरनगर रायपुर।

लाखों के सोना-चांदी के आभूषण उड़ा ले गए चोर

सरगुजा। एक बड़ी चोरी वारदात सामने आई है। गांधीनगर थाना क्षेत्र स्थित कोर्णाक रेजिडेंट में चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की यह घटना पूर्व नान डिप्टी एजीएम ललिता बावरा के घर में घटी, जहां चोरों ने घर का ताला तोड़कर करीब 15 से 20 लाख रुपये मूल्य के सोना-चांदी के आभूषण चुरा लिए। जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार बीते दिनों पैतृक गांव लुड़ेका गया हुआ था। इसी दौरान चोरों ने मकान को खाली पाकर बाहर के दरवाजे का ताला तोड़ा और घर में घुस गए।

अभनपुर में करोड़ों के दांव लग रहे रोजाना, अड्डे पर पुलिस की रेड

विजय मत, रायपुर

रायपुर पुलिस ने कुख्यात हिस्ट्रीशीटर और जुआरी छोटू भांडुलकर के जुए के अड्डे पर बड़ी कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को जैसे ही छापे की भनक लगी, अड्डे पर मौजूद जुआरी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान मौके से आधा दर्जन से अधिक मोटरसाइकिल जब्त की हैं। जांच में सामने आया है कि रायपुर जिले की सीमा में रोजाना अलग-अलग स्थानों पर जुए का फड़ लगाया जाता है।

इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से जुआरी शामिल होते हैं और रोज करोड़ों रुपये के दांव लगाए जाते हैं। छापे की इस कार्रवाई में तीन दर्जन से अधिक पुलिस अधिकारी और जवान शामिल रहे। पुलिस ने छोटू भांडुलकर सहित अन्य आरोपियों और बाइक चालकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, जुए के इस नेटवर्क को शूटरों की निगरानी में संचालित किया जा रहा था।

गुटखा फैक्ट्री में GST का छापा

दस्तावेजों की जांच में टैक्स चोरी के मिले साक्ष्य, जांच जारी

विजय मत, दुर्ग

छत्तीसगढ़ का स्टेट जीएसटी विभाग एक्शन में है। विभाग ने कर चोरी करने वाले व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। जालबांधा रोड पर संचालित सितार गुटखा फैक्ट्री में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात ऋळ विभाग की टीम ने दबिश दी। इस दौरान जीएसटी चोरी से जुड़े अहम साक्ष्य मिलने पर विभाग ने फैक्ट्री संचालक पर 2 लाख रुपये की पेनाल्टी लगाई है।

बंद फैक्ट्री में चल रहा था गुटखा बनाने का खेल

मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग गनियारी की बंद फैक्ट्री में गुटखा बनाया जा रहा था। GST की टीम को इसकी पुख्ता जानकारी मिली। जिसके बाद एक टीम बनाकर रात को 3 बजे दबिश दी गई। इस दौरान मौके से टीम ने भारी मात्रा में सितार गुटखा के रैपर और गुटखा बनाने का अन्य सामान और मशीन जब्त की है। फिलहाल इस मामले में जांच जारी है। कुछ दिनों पहले फूड एंड सेफ्टी विभाग ने जिले के चंदखुरी क्षेत्र में एक गोदाम से ?1.5 करोड़ की सुपारी जब्त की थी। उस मामले में भी सैंपल जांच के लिए भेजा गया था।

राज्यभर में एक्शन मोड में जीएसटी विभाग

जीएसटी विभाग की यह कार्रवाई एक व्यापक अभियान का हिस्सा है। पिछले दो दिनों से कपड़ा और फर्नीचर सेक्टर पर निगरानी के बाद, बुधवार को छत्तीसगढ़ के 6 जिलों रायपुर, दुर्ग, रायगढ़, जगदलपुर, बिलासपुर और कोरबा में फुटवेयर सेक्टर पर एक साथ बड़ी कार्रवाई की गई। टीम ने कुल 17 डीलरों के प्रतिष्ठानों पर छापा मारा और इस दौरान ?2.5 करोड़ की टैक्स वसूली की गई। विभागीय सूत्रों के अनुसार, इंटेलिजेंस इनपुट से यह जानकारी मिली थी कि इन डीलरों ने जीएसटी टैक्स जमा नहीं किया है।

किशोरी को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म पॉक्सो एक्ट में आरोपी युवक गिरफ्तार

विजय मत, रायगढ़

कोतरारोड़ थाना पुलिस ने गुमशुदा नाबालिग बालिका की रिपोर्ट पर संवेदनशीलता बरतते हुए त्वरित कार्रवाई कर बालिका को दस्तयाब कर, शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी की पहचान दीपक कुमार चौहान (32 वर्ष), निवासी किरोड़ीमल नगर, वार्ड क्रमांक 15, रायगढ़ के रूप में हुई है। दिनांक 23 जून को बालिका के परिजनों द्वारा थाना कोतरारोड़ में शिकायत दर्ज कराई गई कि 22 जून को सुबह 11 बजे उनकी बेटी बिना बताये घर से कहीं चली गई है। परिजनों ने उसे रिश्तेदारी और आसपास तलाशा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर भगाने की आशंका के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 270/2025 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। दूसरे ही दिन 24 जून को बालिका को दस्तयाब कर लिया गया, जिसका महिला पुलिस अधिकारी उप निरीक्षक कुसुम कैवर्त द्वारा कथन दर्ज किया गया। अपने बयान में पीड़िता ने बताया कि वह दीपक चौहान को स्कूल आते-जाते समय से जानती थी। दीपक ने उसे शादी का झांसा दिया था, हालांकि उसने अपनी नाबालिग उम्र का हवाला देकर इंकार किया था। इसके बावजूद दीपक उसे 22 जून को ऑटो में बैठाकर अपने घर ले गया और जबरन शारीरिक संबंध बनाए।

बालिका ने आगे बताया कि आरोपी ने घटना किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। इसके बाद वह उसे घर के पास छोड़कर भाग गया। पीड़िता ने अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दीपक कुमार चौहान को गिरफ्तार किया। पीड़िता के बयान व मेडिकल परीक्षण के आधार पर पुलिस ने प्रकरण में धारा 64(1), 87 बीएनएस और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की धारा 4 जोड़ते हुए आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया।

पत्नी से लड़ाई, फिर पति ने खुद को जलाया

बलरामपुर। जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम मानपुर में आज एक युवक ने आग लगाकर सुसाइड कर लिया। युवक का पहले पत्नी के साथ विवाद हुआ और पत्नी से मारपीट करने के बाद युवक खुद को आग लगाकर सुसाइड कर लिया। युवक का शरीर पूरी तरह से जल गया था। पड़ोसियों की सूचना के बाद पुलिस के मौके पर पहुंची और डेड बॉडी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दिया है। मृतक का नाम मनोरंजन एक है और कुछ साल पहले ही उसकी शादी हुई थी। शादी के बाद से ही पति-पत्नी में जमकर विवाद चल रहा था और आज विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों में पहले जमकर मारपीट हुई फिर युवक ने इससे आक्रोशित होकर खुद को आग लगा लिया। मामले में पुलिस की टीम ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दिया है।

स्कॉर्पियो ने कुचला युवती मौत

बिलासपुर। एक छात्रा की उसके जन्मदिन वाले दिन ही सड़क हादसे में मौत हो गई। ग्राम रिस्दा में 25 जून की दोपहर नवरत्ना अपनी सहेली के साथ कोचिंग जाने के लिए पैदल निकली थी। तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दोनों को कुचल दिया। मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र का है। नवरत्ना नोरगे (21 साल) ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, उसकी सहेली को मामूली चोटें आईं। घटना वाले दिन नवरत्ना का बर्थडे था। उसकी सहेलियां कोचिंग में केक के साथ उसका इंतजार कर रही थीं। हादसे की खबर मिलते ही वे सभी घटनास्थल पर पहुंच गईं। छात्रा कोचिंग इंस्टीट्यूट में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। मस्तूरी क्षेत्र के रिस्दा निवासी जीवन लाल नोरगे पेशे से किसान हैं। उनकी बेटी नवरत्ना नोरगे (21) कॉलेज छात्रा थी। इसके साथ ही वह गांव के ही कोचिंग इंस्टीट्यूट में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। जैसे ही नवरत्ना के सड़क हादसे का शिकार होने की जानकारी उसके परिवार वालों को हुई उनका रो रोकर बुरा हाल हो गया और घर में चल रही बर्थडे की तैयारियां मातम में बदल गईं। सहेली वर्षा ने बताया कि नवरत्ना पढ़ने में तेज थी। हादसे की सूचना के बाद उसके स्वजन भी अस्पताल पहुंच गए। नवरत्ना के परिवार वालों को एकाएक हादसे पर भरोसा नहीं हो रहा था। जैसे ही परिवार के लोगों ने उसकी लाश देखी फूट फूटकर रो पड़े। आसपास के लोगों ने किसी तरह उन्हें संभाला।

महिला का नहाते समय बनाया अश्लील वीडियो, बदमाशों का निकाला जुलूस

विजय मत, रायपुर

राजधानी रायपुर के आजाद चौक थाना क्षेत्र में महिला की नहाते समय मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग की कोशिश करने और विरोध करने पर उसके परिवारजनों से मारपीट करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। मामला गौतम नगर का है, जहां 25 जून 2025 को दोपहर करीब 2 बजे महिला जब अपने घर के बाथरूम में नहा रही थी, तभी आरोपी शेख जफर उर्फ झोल्टू मोबाइल से उसका वीडियो रिकॉर्ड करने की कोशिश कर रहा था। महिला के चिल्लाने पर उसका पति और दोनों बेटे मौके पर पहुंचे। इस पर आरोपी ने उन्हें गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी और पत्थर से हमला कर दिया। हमले में महिला के बेटे स्वयं सोनी के कंधे और मयंक सोनी के सिर में चोटें आईं। आरोपी जफर के पास एक लंबा चाकू भी था और वह बार-बार धमकी दे रहा था कि ?गोद कर मार डालूंगा?। इसी दौरान आरोपी का भाई रेहान और मोहम्मद कलाम भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने भी पीड़ितों से अभद्रता व गाली-गलौच की। घटना के बाद आजाद चौक थाने में अपराध क्रमांक 166/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 351(2), 115(2), 3(5) बीएनएस एवं आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी शेख जफर उर्फ झोल्टू और मोहम्मद कलाम को 26 जून को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। वहीं, तीसरा आरोपी रेहान फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी शेख जफर उर्फ झोल्टू पिता शेख जब्बार, उम्र 20 वर्ष, निवासी लाखेनगर, ईदगाहभाठा, पानी टंकी के पास, थाना आजाद चौक, रायपुर। मोहम्मद कलाम पिता मोहम्मद जब्बार, उम्र 20 वर्ष, निवासी लाखेनगर, ईदगाहभाठा, पानी टंकी के पास, थाना आजाद चौक, रायपुर।

विधवा होने के बाद मायके आ गई थी महिला, भाई ने किया मर्डर

विजय मत, रायगढ़

जिला में मर्डर का मामला सामने आया है। जिसमें एक भाई ने अपनी ही बहन को पहले लात-घूसों से जमकर पीटा, फिर घर में रखे टांगी से उस पर वार कर दिया। इससे मौके पर महिला की मौत हो गई। घटना लैलूंगा थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम राताखंड में रहने वाली आसोबाई 55 साल ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी उर्मिल राठिया 30 साल की शादी ग्राम पोरडा में रहने वाले दीपक राठिया के साथ हुई थी।

शादी के कुछ साल बाद उसके पति की मृत्यु हो गई थी। ऐसे में वह उर्मिला अपने मायके में आकर रह रही थी। जिससे उसके बड़े भाई संतकुमार मांझी को बहन का मायके में रहने पसंद नहीं था। ऐसे में अक्सर इस बात को लेकर उनके बीच विवाद होता था। मायके में रहने वाली बात को लेकर संतकुमार फिर से झगड़ा करने लगा। इससे दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। जहां गुस्से में आकर संतकुमार ने अपनी बहन उर्मिला की लात-घुसो से पिटाई शुरू कर दिया और घसीट कर मारने लगा। इसके बाद घर में रखे टांगी से उस पर वार कर दिया।

इससे खून से लथपथ हालत में उर्मिल की मौके पर ही मौत हो गई। मारपीट को देखते हुए उसकी मां आसो बाई बीच-बचाव करने पहुंची, तो उसके साथ भी बेटे ने मारपीट किया। घटना के बाद आसो बाई ने मामले की सूचना थाना में दी। जहां पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की।

बुजुर्ग हत्याकांड का खुलासा बेटे-दामाद ने उतारा मौत के घाट

जशपुर। जिले के बागबहार पुलिस ने अपने ही पिता की बेरहमी से हत्या करने वाले कलयुगी बेटे और उसके जीजा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पूरा मामला बागबहार थाना क्षेत्र के ग्राम खाड़ामाचा का है, जहां पारिवारिक विवाद के चलते बेटे ने अपने जीजा के साथ मिलकर 55 वर्षीय आनंद सिंह पैंकरा की लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई कर दी। हमले में आनंद सिंह को गंभीर चोटें आईं विशेषकर सिर में और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बागबहार पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग रिपोर्ट दर्ज कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान लेने के बाद पुलिस को पूरे मामले की सच्चाई का पता चला। पुलिस ने मृतक के पुत्र सुनील पैंकरा और उसके जीजा रोहित पैंकरा को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान दोनों ने पारिवारिक विवाद के चलते क्षणिक आवेश में आकर हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद बागबहार पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

वन कर्मियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, 6 गिरफ्तार

विजय मत, बालोद

बालोद। डौंडी परिक्षेत्र के पेवारी गांव में परकुलेसन टैंक का निरीक्षण करने गए डिप्टी रेंजर, वन पाल, दो फॉरेस्ट गार्ड पर हमला मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस की जांच जारी है। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी हो सकती है। बालोद एसपी योगेश पटेल ने बताया, ग्रामीणों के हमले से डिप्टी रेंजर समेत 4 वनकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए थे। घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डौंडी में इलाज कराया गया, जिसके बाद वन विभाग के आला अधिकारी थाने पहुंचे और 6 नामजद के साथ अन्य ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए डौंडी पुलिस ने मामला दर्ज कर 6 लोगों को गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में सोमनाथ, बेदूराम, अर्जुन, तुलसीराम, तुलाराम और भोलाराम शामिल हैं। साथ ही अन्य लोगों की जांच के बाद गिरफ्तारी की बात कही जा रही है। बता दें कि डौंडी परिक्षेत्र के ग्राम पेवारी में वन विभाग भू-जल स्तर बढ़ाने शासन की महत्वाकांक्षी योजना के तहत परकुलेसन टैंक का निर्माण कराया जा रहा था। जिस जगह कार्य कराया जा रहा वह जमीन वन विभाग की है, जिस पर ग्रामीणों ने कब्जा किया हुआ था। इस जमीन को कब्जा मुक्त कराकर वन विभाग काम करा रहा था। कुछ लोगों को गांव में वन अधिकारी पट्टे का वितरण भी किया जा चुका है। इसी वजह से ग्रामीण चाहते थे कि जिस जमीन पर उन्होंने कब्जा किया है उसका पट्टा मिल जाए, लेकिन वन विभाग के काम कराने से भविष्य में उनको पट्टा नहीं मिल पाएगा। इसी डर से ग्रामीणों ने वन विभाग के सरकारी काम में बाधा डालते हुए वन कर्मियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा था और बंधक भी बना लिया था।

एक ही परिवार के 2 बच्चों की तालाब में डूबने से मौत, परिवार में पसरा मातम

सरगुजा। सरगुजा में 2 मासूम बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। कल देर शाम दोनों बच्चे दोस्तों के साथ खेलने के लिए अपने घर से निकले थे। इसके बाद वे अपनी सायकल धोने तालाब में उतरे थे। इसी दौरान वे हादसे के शिकार हो गए। इधर दोनों बच्चों के परिजन उनके घर न लौटने से रातभर परेशान रहे और उसे ढूंढते रहे। वहीं आज सुबह दोनों बच्चों के शव को तालाब से बरामद किया गया। जानकारी के मुताबिक, मृत बच्चों की पहचान 9 वर्षीय आरव अग्रवाल और 7 वर्षीय अंश अग्रवाल है। मासूम बच्चों की मौत के बाद दोनों परिवार में मातम पसर गया है। यह पूरी घटना केरजू पुलिस चौकी क्षेत्र की है। सूचना पर पहुंची पुलिस मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

पुरी वारदात सीसीटीवी में कैद

हफ्तेभर में हुई दूसरी चोरी, गार्ड ने पार किया मरीज का पर्स

विजय मत, रायपुर

पिछले सप्ताह मेकाहारा में मरीज के परिजन का पर्स चुराने वाले दो चोरों की गिरफ्तारी के बाद ऐसी ही एक और घटना सामने आई है। मेकाहारा परिसर से ही लगे हार्ट सेंटर में सामने आई है। गुरुवार को सुबह मीडिया और डॉक्टर्स के ग्रुप में वायरल वीडियो से सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। हार्ट इंस्टीट्यूट के गलियारे में रात सो रही कुछ महिलाएं जो संभवतः इलाज के लिए भर्ती मरीजों की परिजन हैं। वीडियो में अचानक सिक्योरिटी गार्ड की यूनिफार्म में एक व्यक्ति सोती हुई महिलाओं को गौर से देखता हुआ दो बार क्रॉस होता है। एक महिला को गहरी नींद में देख वह सावधानी से पास में बैठता है। कुछ सेकंड्स में वह महिला के कपड़े से कुछ निकालकर चला जाता है करीब 20 सेकंड बाद पुनः उसी महिला के पास आकर फिर एक सामान कपड़ों से निकाल चला जाता है। इस बार गार्ड की यूनिफार्म में आए इस व्यक्ति ने महिला के गले के पास कपड़ों में रखा पर्स और मोबाइल निकाला है। सुबह इस मामले को लेकर महिलाओं में बवाल मचने पर अस्पताल प्रशासन ने चुपचाप मामले की जांच शुरू की है।

विजय मत
राष्ट्र को समर्पित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र
www.vijaymat.com
रायपुर, शुक्रवार 27 जून 2025

ऋषभ 800 रेटिंग अंक हासिल करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने

दुबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने लीड्स टेस्ट की दोनो पारियों में शतक लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इससे ऋषभ अपने करियर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के 800 रेटिंग अंक हासिल करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गये हैं। आईसीसी की ताजा रैंकिंग के अनुसार ऋषभ 800 रेटिंग अंक के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इस आक्रामक बल्लेबाज ने पहली पारी में 178 गेंदों पर 12 चौकों और 6 छक्कों की सहायता से 134 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 118 रन बनाए। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में इस बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट 75.28 था जबकि दूसरी पारी में यह बढ़कर 84.29 पहुंच गया। वहीं पहले टेस्ट में एक शतक और अर्धशतक लगाने वाले इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को भी रैंकिंग में लाभ हुआ है। वह पांच स्थान ऊपर आकर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग भी बेहतर हुई। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट 889 रेटिंग अंक हासिल कर नंबर एक पर हैं। वहीं हैरी ब्रूक 874 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए है। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन तीसरे और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जासवाल 851 रेटिंग अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं।

इंग्लैंड के ओली पोप तीन स्थान ऊपर आकर 19वें स्थान पर और जेमी स्मिथ 27वें स्थान पर है, दोनों की रैंकिंग बेहतर हुई है। शुभमन मैच की पहली पारी में शतक लगाने के बाद पांच स्थान के लाभ के साथ ही 20वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं श्रीलंका और बंगलादेश के बीच ड्रॉ हुए पहले टेस्ट में कई खिलाड़ियों की बल्लेबाजी रैंकिंग बेहतर हुई है। वहीं गाले में 163 रन की पारी खेलने वाले बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम बल्लेबाजों की सूची में 11 पायदान ऊपर आकर 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि बांग्लादेश के ही नजमुल हुसैन शांतो इसी मैच में दो शतक लगाने के बाद 21 स्थान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। खेली। रहीम टेस्ट टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हेडिंग्ले टेस्ट में एक बार फिर पांच विकेट लेने के कारण नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं।

टी20 विश्वकप फाइनल में विराट नहीं अक्षर की पारी से पलटा मैचः रोहित

मुम्बई, एजेंसी

भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि विश्वकप फाइनल में विराट कोहली ने काफी अच्छी पारी खेली थी पर मैच को पलटने में अक्षर पटेल की अहम भूमिका रही है। भारतीय टीम ने पिछले साल हुए टी20 विश्वकप खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हराकर 11 साल के बाद खिताब जीता था।

रोहित ने विश्वकप फाइनल को लेकर, 'बहुत से लोग अक्षर पटेल की पारी के बारे में बात नहीं करते पर मेरा मानना है कि अक्षर की 31 गेंदों पर 47 रनों की पारी से ही मैच भारतीय टीम के पाले में आया।' रोहित ने इस मैच में एक छोर संभाले रखने के लिए विराट की भी प्रशंसा की। रोहित ने कहा, हमें एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत थी जो विकेट पर टिका रहे। विराट ने उस काम को काफी अच्छे से निभाया। विराट की ठोस बल्लेबाजी के कारण ही शिवम, अक्षर, हार्दिक को तेजी से खेलने का अवसर मिला

इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 176 रन बनाए थे। इसमें विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 76 रन बनाये। वहीं अक्षर पटेल ने 31 गेंद में 47 और शिवम दूबे ने 16 गेंद में 27 रन बनाए थे। इन तीनों के अलावा भारत का कोई भी बल्लेबाज दो अंकों तक नहीं पहुंच पाया था।

नासिर हुसैन ने शुभमन की कप्तानी पर उठाये सवाल

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल पर सवाल उठाये हैं। हुसैन ने कहा कि जिस प्रकार की बात विराट कोहली और रोहित शर्मा की कप्तानी में थी। वो बात शुभमन में नहीं दिखी। इसी कारण टीम पांच शतक लगाने के बाद भी हार गयी। उन्होंने ये भी कहा कि गिल की कप्तानी में नियंत्रण की कमी नजर आयी। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि उन्हें इस बात पर हैरानी हुई कि शुभमन या किसी भी सीनियर खिलाड़ी ने खुरदरी पिच को लेकर स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा से बात नहीं की। उन्होंने कहा, जडेजा से एक बार भी बात नहीं की, शायद एक युवा कप्तान के रूप में संभव नहीं था कि वे अनुभवी स्पिनर के पास जाएं और कहें कि रफ (खुरदरी पिच) है वहां किस प्रकार की गेंदबाजी की जाये।

नासिर ने कहा कि भारतीय टीम को हार्दिक पांड्या जैसे ऑलराउंडर की भी खिलाड़ी की जरूरत है, जो तेज गेंदबाजी करे और रन भी बनाए। टीम प्रबंधन ने इंग्लैंड में नितीश कुमार रेड्डी पर भरोसा किया पर शामिल किया शार्दुल ठाकुर को पर इसका लाभ टीम को नहीं मिला। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, स्लिप कॉर्डन और कैचिंग खराब थी, कुछ ऐसा जो भारत ने पिछले दो या तीन सालों में अच्छा किया है। यह मुझे चिंतित करता है, क्योंकि भारत के पास स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के साथ एक निचला क्रम है और पिछले एक दशक से शानदार रहा है।

बुमराह को दूसरे टेस्ट के लिए आराम देना सही नहीं : शास्त्री

मुम्बई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम नहीं दिया जाना चाहिये। शास्त्री के अनुसार भारतीय टीम पहला टेस्ट मैच हारने से सीरीज में पिछड़ गयी है। पहले टेस्ट में बुमराह को छोड़कर अन्य गेंदबाज विरोधी टीम पर दबाव बनाने में विफल रहे। ऐसे में अगर वह नहीं उतरे तो दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत पहला मैच हार चुका है और इस सीरीज से पहले ही तय हो गया था कि बुमराह को केवल तीन मैचों में ही उतारा जाएगा ताकि उनपर अधिक बोझ नहीं पड़े। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का भी कहना है कि बुमारह को वह अधिक मैच खेलने को नहीं करेंगे। वह पहले की तरह ही पांच में से तीन मैच खेलेंगे। ऐसे में दूसरे टेस्ट से बुमराह बाहर बैठ सकते हैं पर शास्त्री इस रणनीति को सही नहीं मानते। उनका कहना है कि ऐसे में टीम 2-0 से पीछे हो जाएगी।

शास्त्री ने कहा, बुमराह ने कहा कि वह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे। अब, वह तीनों में से कौन सा खेलेंगे, यह एक और सवाल है जिसे पूछा जाना चाहिए। मुझे लगता है कि अगर वह दूसरे मैच में आराम करते हैं तो वह निश्चित रूप से लॉर्ड्स में उतरेंगे। इसके बाद वह अगले मैच में आराम करेंगे और फिर मैनचेस्टर में उतरेंगे। इसी दौरान टीम के 2-0 से पीछे होने का खतरा है। इसी को देखते हुए उन्हें खेलना होगा।

शास्त्री ने यह भी कहा कि भारतीय टीम को दूसरा टेस्ट जीतकर वापसी करनी होगी क्योंकि इससे पहले टीम न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पिछली दो टेस्ट सीरीज हारी है। स्त्री ने कहा, यह काम कठिन होगा क्योंकि मैं अभी कमेंट्री बॉक्स में उसे बता रहा था कि हम न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से हारे थे, ऑस्ट्रेलिया में भी सीरीज हार गए और ऐसे में अब यह एक कठिन सीरीज रहेगी। इसमें आपके पास एक कदम आगे जाने का अवसर था क्योंकि अनुभवी खिलाड़ियों के बाहर होने से मेजबानों की गेंदबाजी कमजोर है इस अवसर का भारतीय टीम को लाभ उठाना चाहिये।

फुटबॉल

अमेरिका में फीफा क्लब विश्वकप में खेलते हुए उरावा रेड डायमंड व सीएफ मोंटेरी क्लब के खिलाड़ी।

अब टेस्ट मैचों में भी धीमी ओवर गति के लिए लगेगा जुर्माना

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) खेल में रोचकता बनाये रखने के लिए समय-समय पर नियमों में बदलाव करती रहती है। इसी के तहत ही अब आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी स्टॉप क्लॉक को लेकर नया नियम लेकर आई है। सीमित ओवरों के क्रिकेट में ये नियम पहले से ही है। इसमें धीमी ओवर गति के लिए 5 रनों का जुर्माना लगाया जाएगा। मैच समय पर समाप्त करने और धीमी ओवर गति से बचने के लिए इस नियम का इस्तेमाल होता है। पिछले कुछ समय में देखा गया है कि एक दिन में टीमें पूरे 90 ओवर नहीं कर पा रही है। जिसकी वजह से आईसीसी टेस्ट क्रिकेट में भी यह नियम लेकर आई है। टेस्ट क्रिकेट में धीमें ओवर रेट को कम करने के लिए आईसीसी यह नियम लेकर आया है। इस नियम के अनुसार, फील्डिंग करने वाली टीम को एक ओवर के समाप्त होने के एक मिनट के अंदर ही दूसरा अगला ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए। वहीं ऐसा न करने पर उन्हें अंपायरों से दो बार चेतावनी मिलेंगी। भारत-इंग्लैंड टेस्ट के दौरान अंपायरों ने बेन स्टोक्स और शुभमन गिल को भी ऐसी ही चेतावनी दी थी।

बिजनेस

सोने के भाव 97,600 के पार, चांदी भी लगभग 1.06 लाख रुपए

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में गुरुवार को भी तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को तेजी के साथ खुले। सोने के भाव 97,500 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 243 रुपये की तेजी के साथ 97,600 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,357 रुपये था। इस समय यह 123 रुपये की तेजी के साथ 97,480 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 425 रुपये की तेजी के साथ 1,06,405 रुपये पर खुला।

रिपोर्ट: भारत का ऑनलाइन कॉमर्स सेक्टर 2030 में 300 बिलियन डॉलर पर पहुंचेगा

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत का ऑनलाइन कॉमर्स सेक्टर 2030 में 300 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो देश में एक ट्रिलियन डॉलर के डिजिटल अवसर में अहम योगदान देगा। यह जानकारी ताजा रिपोर्ट में सामने आई। रिपोर्ट में कहा कि आबादी के एक महत्वपूर्ण और बढ़ते हिस्से के लिए भारतीय खुदरा परिदृश्य के भीतर एक प्रमुख शक्ति के रूप में खुद को मजबूती से स्थापित कर चुका है। भारत 1 ट्रिलियन डॉलर का डिजिटल अवसर प्रस्तुत करता है। पिछले दशक में कई उपभोक्ता बाजारों, प्लेटफॉर्म और न्यू-एज ब्रांडों का उदय उभरते भारत की बढ़ती आकांक्षाओं का प्रमाण है। इंटरनेट की पहुंच, जनसांख्यिकी में बदलाव और नीतिगत बदलावों का एक साथ आना उन रुझानों में से हैं, जिन्होंने नए युग की उपभोक्ता कंपनियों को आगे बढ़ाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे चलकर यह कॉमर्स मार्केटप्लेस, कंटेंट प्लेटफॉर्म और बदलती उपभोक्ता आकांक्षाओं का विकास है, जो नई कंपनियों को भारतीय संदर्भ में जीतने में मदद करता है।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रहीः आरबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक आर्थिक बुलेटिन के मुताबिक मई 2025 के लिए वैश्विक अनिश्चितता के बीच अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर्स भारत में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि की ओर इशारा करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि ने 2024-25 में प्रमुख फसलों के उत्पादन में व्यापक आधार पर वृद्धि हुई। घरेलू कीमतों की स्थिति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती के ट्रांसमिशन की सुविधा के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर स्थिति में है, जो व्यापार नीति अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों में वृद्धि के दोहरे झटकों से जूझ रही है। घरेलू मोर्चे पर मई में जारी अनंतिम अनुमानों ने 2024-25 में भारत की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने की पुष्टि की है, जिसमें चौथी तिमाही में महत्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि होगी।

मई के लिए अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि के संकेत देते हैं। पीएमआई के लिए सर्वे किए गए देशों में भारत में गतिविधि में समग्र विस्तार सबसे अधिक रहा, जिसमें मई में देखे गए नए निर्यात ऑर्डर में विस्तार अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में देखे गए कॉन्ट्रैक्शन के बीच एक अपवाद था।

मई के लिए कुल मांग के हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स ने भी ग्रामीण मांग में वृद्धि का सुझाव दिया। कंज्यूमर सेंटीमेंट के दूरदर्शी सर्वेक्षण वर्तमान अवधि के लिए स्थिर उपभोक्ता विश्वास और भविष्य के बारे में बेहतर आशावाद दिखाते हैं।

आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक, व्यापार और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद ये सभी भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती दिखाई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अस्थिर और ऊंचे सोने और चांदी की कीमतों के प्रभाव को छोड़कर कुछ नरमी के संकेतों के साथ स्थिर कोर मुद्रास्फीति यह दर्शाती है कि अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबाव शांत बना हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इकोनॉमिक आउटलुक, टैरिफ संबंधी समाचार और विकसित होते घरेलू परिदृश्य पर वैश्विक संकेतों के कारण उतार-चढ़ाव के बावजूद मई-जून के दौरान इक्विटी बाजारों में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के साथ ही इक्विटी बाजार में कुछ समय के लिए तेज गिरावट दर्ज की गई, लेकिन 20 जून को इसमें उछाल देखने को मिला।

आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि हालांकि अप्रैल में ऋण वृद्धि में कमी आई, खास तौर पर कृषि और सेवा क्षेत्रों में लेकिन गैर-बैंक ऋण स्रोतों, जिसमें बाहरी वाणिज्यिक उधार शामिल है इसमें लगातार अच्छी वृद्धि जारी रही, हालांकि मार्च से इसमें नरमी आई। कुल मिलाकर, वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती को प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए अनुकूल बनी रहीं।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1000 अंक ऊपर आया निफ्टी 25,549 पर पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1000 अंक उछलकर 83,755.87 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 304 अंक बढ़कर 25,549.00 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर श्रीराम फाइनेंस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, जियो फाइनेंशियल, अडाणी पोर्ट्स के शेयरों को सबसे अधिक लाभ हुआ ओर ये हरे निशान पर बंद हुए। वहीं डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, हीरो मोटोकॉर्प, मारुति सुजुकी, एसबीआई के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे और लाल निशान पर बंद हुए।

कारोबार के दौरान निजी बैंक, तेल एवं गैस के अलावा धातु सूचकांकों में 1 से 2 फीसदी की बढ़त रही जबकि रियल्टी, मीडिया सूचकांकों में 1-1 फीसदी की गिरावट रही। बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.5 फीसदी की तेजी आई जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में कोई बदलाव नहीं हुआ। भारतीय रुपया गत दिवस के 86.09 के मुकाबले गुरुवार को 39 पैसे बढ़कर 85.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो उसमें बढ़त रही। इजरायल-ईरान के बीच युद्धविराम से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इससे दुनिया भर के साथ ही भारतीय बाजार में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

इससे पहले आज सुबह बाजार हरे निशान में खुले। बीईएल, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी और एमएंडएम के शेयरों में खरीदारी के कारण बाजार में बढ़त रही। सुबह बीएसई सेंसेक्स करीब 100 अंक चढ़कर 82,882.92 पर खुला। खुलते ही बाजार में खरीदारी देखने को मिली जिससे इंडेक्स में बढ़त और बढ़ गई। यह 242.79 अंक की बढ़त लेकर 82,998.30 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी मजबूती के साथ हरे निशान में खुलकर 95.80 अंक की बढ़त के साथ 25,340.55 पर कारोबार कर रहा था।

देश के प्रमुख सात शहरों में अप्रैल-जून में आवास की कीमतें 11 फीसदी बढ़ी

- अप्रैल-जून तिमाही में मकानों की बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सात महानगरों में अप्रैल-जून तिमाही में आवास की कीमते सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ गई हैं जिससे बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक रियल एस्टेट सलाहकार ने भारत के सात प्रमुख आवासीय बाजारों के आंकड़े गुरुवार को जारी किए। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में मकानों की बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई। अप्रैल-जून तिमाही में इस साल 96,285 मकान बेचे गए जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 1,20,335 इकाइयों की बिक्री की गई थी। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता में मकानों की बिक्री में गिरावट आई। चेन्नई में मांग में वृद्धि दर्ज की गई। एक रियल एस्टेट के अधिकारी ने कहा, 2025 की दूसरी (अप्रैल-जून) तिमाही भारतीय आवास बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरी रही। देश और विदेश में सैन्य कार्रवाइयां भी इसकी मुख्य वजह रही। युद्ध जैसे माहौल ने मकान खरीदने वालों को स्थिति आंकने और फिर फैसले करने की स्थिति में धकेल दिया, जिससे पिछले दो वर्ष में संपत्ति की कीमतों में उछाल का असर और बढ़ गया। उन्होंने कहा कि अब घरेलू तनाव कम होने और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतिगत दर में कटौती से नए सिरे से उम्मीदें जगी हैं जिससे खरीदारों की धारणा में सुधार हो रहा है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 37 पैसे बढ़कर 85.71पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 21 पैसे मजबूत होकर 85.87 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने हालांकि कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय इकाई में तेज बढ़त को रोक दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.91 पर खुला। फिर 85.87 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दिखाता है।

पद्मश्री हास्य कवि सुरेंद्र दुबे का निधन

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध हास्य कवि, व्यंग्यकार और पद्मश्री सम्मान से सम्मानित डॉ. सुरेंद्र दुबे का सोमवार को निधन हो गया। 72 वर्षीय डॉ. दुबे को दिल का दौरा पड़ने के बाद रायपुर के एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट (ष्टठ्ठ) में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर सामने आने के बाद न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है।

डॉ. सुरेंद्र दुबे केवल कवि ही नहीं, बल्कि एक प्रख्यात आयुर्वेदिक चिकित्सक, समाज सुधारक और राजनीतिक विचारक भी थे। उन्होंने हास्य के माध्यम से व्यंग्य की धार को मंचों से लेकर टीवी तक पहुँचाया।

डॉ. दुबे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विचारों से प्रेरित थे। वर्ष 2017 में उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की उपस्थिति में बीजेपी की सदस्यता ली थी। आज उनके निधन के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वे एक काव्य सम्मेलन के मंच से मुझको भाजपा से कुछ नहीं चाहिए, पर मुझको अंतिम साँस तक भाजपा चाहिए कहते हैं। इस दौरान मंच के सामने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, अरुण साव और मंत्री ओपी चौधरी भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे के निधन पर शोक व्यक्त किया

राज्यपाल रमेन डेका ने प्रदेश के प्रख्यात हास्य कवि एवं पद्मश्री सम्मानित डॉ. सुरेंद्र दुबे के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

राज्यपाल ने अपने शोक संदेश में कहा है कि डॉ. दुबे ने अपनी व्यंग्यात्मक शैली, हास्यबोध और सामाजिक सरोकारों से भरी रचनाओं के माध्यम से हिन्दी कविता जगत को समृद्ध किया। वे न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश में अपनी विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते हैं।

उनकी कविताओं ने समाज को स्वस्थ हास्य के साथ नई सोच की दिशा दी। राज्यपाल ने कहा कि डॉ. दुबे का निधन साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति है। राज्यपाल डेका ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकसंतप्त परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है डा. दुबे का निधन: साय

छत्तीसगढ़ी साहित्य व हास्य काव्य के शिखर पुरुष, पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे जी का निधन साहित्य जगत के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने आगे लिखा कि अचानक मिली उनके निधन की सूचना से स्तब्ध हूँ। अपने विलक्षण हास्य, तीक्ष्ण व्यंग्य और अनूठी रचनात्मकता से उन्होंने न केवल देश-विदेश के मंचों को गौरवान्वित किया, बल्कि छत्तीसगढ़ी भाषा को वैश्विक पहचान दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई। जीवनपर्यंत उन्होंने समाज को हँसी का उजास दिया, लेकिन आज उनका जाना हम सभी को गहरे शोक में डुबो गया है। उनकी जीवंतता, ऊर्जा और साहित्य के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों और असंख्य प्रशंसकों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करें।

पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे के निधन पर महापौर व सभापति ने शोक व्यक्त किया

छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध हास्य कवि पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे के आज आकस्मिक निधन पर महापौर मीनल चौबे और सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने गहन शोक व्यक्त करते हुए परमपिता परमेश्वर के दिव्य श्रीचरणों में दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान हेतु विनम्र प्रार्थना की है। साथ ही सर्वशक्तिमान ईश्वर से दिवंगत आत्मा के समस्त परिजनों, ईष्ट मित्र गणों, सहयोगियों को इस असीम दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने विनम्र प्रार्थना की है।

राहत की बारिश.. प्रदेश में अब जाकर सक्रिय हुआ मानसून

विजय मत, रायपुर

रायपुर। अब लग रहा है कि मानसून छत्तीसगढ़ पहुंच गया है,कल शाम से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। रायपुर और दुर्ग में देर रात से सुबह तक तेज बारिश हुई है। मौसम विभाग ने कहा है कि आज बारिश होगी,आसमान पर अच्छे खासे काले बादल है। कहीं कहीं गरज चमक के साथ बिजली गिरने की चेतावनी भी दी गई है। रात की बारिश से शहर के कुछ निचले इलाकों में जल का भराव हो गया है। विभाग की माने तो अब कुछ दिन बारिश के आसार हैं। मतलब राहत भरी खबर के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में खेती किसानी के काम में भी तेजी आयेगी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम और उससे लगे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों पर एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। यह प्रणाली समुद्र तल से लेकर 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक फैली है, जिसके प्रभाव से अगले 24 घंटों में इसी क्षेत्र में एक कम दबाव का क्षेत्र विकसित होने की संभावना है।

खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में चावल जमा हेतु शेष मात्रा के जमा करने की अवधि अब 5 जुलाई 2025 तक

मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक में धान के त्वरित निराकरण हेतु लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

विजय मत, रायपुर

तकनीकी समिति का गठन

प्राइस मैचिंग के दौरान मिलरों एवं क्रेताओं को आ रही तकनीकी समस्याओं के निराकरण एवं आवश्यक मार्गदर्शन हेतु महाप्रबंधक (विपणन) की अध्यक्षता में एक तकनीकी समिति का गठन भी किया गया है, जिससे समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हो सके।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक महानदी भवन, मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित की गई। बैठक में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में किसानों से समर्थन मूल्य पर 149.25 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है, जो राज्य गठन के पश्चात अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। उपार्जित धान का कस्टम मिलिंग के माध्यम से त्वरित निराकरण किया जा रहा है। भारत सरकार एवं नागरिक आपूर्ति निगम से प्राप्त चावल उपार्जन लक्ष्य के अतिरिक्त लगभग 35.00 लाख मीट्रिक टन अतिशेष धान के निराकरण हेतु मंत्रिपरिषद द्वारा ई-नीलामी (ई-ऑक्शन) के माध्यम से विक्रय का निर्णय लिया गया है। इस हेतु एम-जंक्शन प्लेटफॉर्म पर नीलामी की प्रक्रिया संपादित की गई। प्रथम चरण की निविदा में प्राप्त दरों को मंत्रिमंडलीय उप समिति द्वारा 29 अप्रैल 2025 को अनुमोदित किया गया था। उक्त दरों पर लगभग 18.91 लाख मीट्रिक टन धान का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। शेष स्टेकों के निराकरण हेतु उच्चतम बोली लगाने वाले निविदाकारों (॥-1) एवं अन्य निविदाकारों को अनुमोदित दर पर प्राइस मेचिंग का अवसर प्रदान किया गया है, जिससे शासन द्वारा पारदर्शिता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करते हुए अतिशेष धान का निराकरण अविलंब हो सके।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश के 78 संग्रहण केन्द्रों में कुल 31.48 लाख मीट्रिक टन धान का भंडारण किया गया है, जिसमें से लगभग 18.91 लाख मीट्रिक टन का निराकरण प्राइस मेचिंग एवं ऑक्शन के माध्यम से किया जा चुका है। वर्तमान में लगभग 12.57 लाख मीट्रिक टन धान का निराकरण शेष है। त्वरित उठाव सुनिश्चित करने हेतु सभी जिला विपणन अधिकारियों एवं संग्रहण केन्द्र प्रभारियों को आवश्यक निर्देश प्रसारित किए गए हैं। संग्रहण केन्द्रों में वाहनों की आवाजाही सुगम करने एवं हमालों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे धान का उठाव तेजी से हो और क्रेताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में जानकारी दी गई कि निविदाकारों को एम-जंक्शन प्लेटफॉर्म पर पंजीयन उपरांत अमानत राशि जमा करने पर प्राइस मेचिंग करने का विकल्प उपलब्ध है। प्राइस मेचिंग करने की तिथि से 7 दिवस के भीतर निविदाकारों को सुरक्षा निधि के रूप में क्रय किए गए धान के कुल मूल्य की 3 प्रतिशत राशि जमा करनी होती है। तत्पश्चात निर्धारित अवधि के भीतर क्रेता को स्टेक का वास्तविक मूल्य ई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म में जमा करना होता है। राशि विपणन संघ को प्राप्त होते ही क्रेता को लिफ्ट ऑर्डर जारी किया जा रहा है। उक्त अनुक्रम में आज आयोजित मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक में धान के त्वरित निराकरण के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि ऐसे निविदाकार जिनके द्वारा ईआक्शन प्लेटफॉर्म में प्राइस मेचिंग के दौरान निर्धारित समय-सीमा में सुरक्षा निधि जमा नहीं किया जा सका है, अथवा धान का क्रय मूल्य समय सीमा में जमा नहीं किया गया है अथवा विलंब से जमा किया गया है, उन्हें अब 15 जुलाई 2025 तक की अंतिम समय-सीमा प्रदान की गई है। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में चावल जमा हेतु शेष मात्रा के जमा करने हेतु अवधि को बढ़ाकर 5 जुलाई 2025 कर दिया गया है। प्रदेश के राइस मिलरों में शासन द्वारा लिए गए इन निर्णयों के प्रति उत्साह देखा गया है। छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन ने इस संबंध में खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल को धन्यवाद ज्ञापन भी सौंपा है।

न्यूज विंडो

सरकारी अस्पताल में बाहरी नहीं आंतरिक चोर ही कर रहे हैं चोरी

विजय मत, रायपुर

शहर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में चोरी की वारदातें बढ़ती जा रही है।बुधवार की मध्य रात्री में सुरक्षा के लिये तैनात गार्ड ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया और यह सब करते हुए वह सीसी कैमरे तीसरी आंख में कैद हो गया।

घटना 25 जून रात 12 बजे की मेकहारा के एडवांस कार्डिएक यूनिट की है,जब वहां सुरक्षा के लिये तैनात एक सिक्योरिटी गार्ड द्वारा अस्पताल के कॉरीडोर में सो रही महिला के ब्लाउज के अंदर रखे पर्स और मोबाइल पर हाथ साफ कर दिया और चोरी की यह घटना वहां लगे तीसरे आंख में कैद हो गई। बताया जाता है की पीड़ित महिला जब रिपोर्ट लिखाने पहुंची तो वहां पर उसकी रिपोर्ट नहीं लिखी गई।

डिप्टी सीएम शर्मा के निर्देश पर बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान के लिए हेल्पलाइन नम्बर जारी

विजय मत, रायपुर

प्रदेश में आंतरिक सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान के लिए उपमुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर पुलिस विभाग द्वारा टोल फ्री हेल्पलाइन नम्बर 1800-233-1905 जारी किया गया है, जो 24 घंटे और सप्ताह के सभी दिनों में सक्रिय रहेगा। इस हेल्पलाइन के माध्यम से राज्य का कोई भी नागरिक, अपने क्षेत्र में मौजूद संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों अथवा उनकी गतिविधियों के संबंध में सूचना सीधे पुलिस प्रशासन को दे सकता है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, ताकि लोग बिना किसी भय के राष्ट्रहित में सहयोग कर सकें। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि देश की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार राज्य को घुसपैठियों और अवैध गतिविधियों से मुक्त रखने के लिए प्रतिबद्ध है। जब तक ऐसी ताकतों को जड़ से नहीं उखाड़ा जाएगा, तब तक हमारे नागरिकों की सुरक्षा और शांति खतरे में रहेगी। यह हेल्पलाइन आम जनता को एक सीधा, सुरक्षित और प्रभावी माध्यम प्रदान करती है जिससे वे देशहित में अपनी भागीदारी निभा सकें। राज्य में अवैध बांग्लादेशी नागरिको की सूचना पर पूरी ताकत के साथ जांच और पहचान कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए हैं कि वे इस हेल्पलाइन पर प्राप्त हर सूचना को गंभीरता से लें, आवश्यक सतर्कता बरतें और जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई करें। साथ ही इस अभियान को लेकर आम नागरिकों में जागरूकता फैलाने हेतु प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए गए हैं।

बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने महाराष्ट्र मंडल करेगा पहल

मंडल की स्वावलंबन समिति की बैठक में लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय

विजय मत, रायपुर

महाराष्ट्र मंडल की स्वावलंबन समिति बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करेगी। बेटियों के अभिभावकों के व्यवसाय के प्रति नजरिए में बदलाव लाने का प्रयत्न किए जाएंगे। अभिभावकों में व्यवसाय में आत्मनिर्भर मॉडल के प्रति विश्वास जगाया जाएगा। जिनकी लड़कियां स्वयं का व्यवसाय शुरू करना चाहती है, उन्हें पूरी तरह मदद की जाएगी।

स्वावलंबन समिति की प्रमुख शताब्दी पांडेय ने बताया कि महाराष्ट्र मंडल स्वावलंबन समिति की बैठक मंडल कार्यालय में संपन्न हुई। इसमें तय किया गया कि प्रत्येक माह एक बार समिति के सदस्यों की बैठक होगी। मंडल में एक ऐसा प्लेटफार्म तैयार किया जाएगा, जिसमें सभी प्रकार के व्यवसाय करने वाले मराठी भाषी जुड़ेंगे। इससे एक- दूसरे के प्रति व्यवसाय- व्यवहार को बढ़ावा मिलेगा।

सर्वप्रथम मंडल से जुड़े चुने हुए व्यवसायियों की सफलता की कहानी पर सत्र होगा, जो लोगों के लिए प्रेरणा का आधार बनेगा। साल 2047 के विकसित भारत की दृष्टि से स्कूली विद्यार्थियों को उद्यमिता की ओर प्रोत्साहित किया जाएगा।

रायपुर पश्चिम में बिजली तारों को अंडर ग्राउंड केबल के रूप में परिवर्तित किया जाएगा : मूणत

रायपुर पश्चिम विधान सभा में विकास के कार्य निरंतर जारी है

विजय मत, रायपुर

रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने आज रायपुरा चौक में 433.37 लाख रुपए की लागत से होने वाले अंडर ग्राउंड केबलिंग कार्य का श्रीफल फोड़कर शुभारंभ किया इस अवसर पर रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर मुख्य अभियंता बिजली विभाग मधुकर जमुलकर अधीक्षण अभियंता महावीर विश्वकर्मा कार्यपालन अभियंता वी के तिवारी शिव गुप्ता लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता राजीव नशीने ,जोन आयुक्त राजश्री पटेल एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे।

अंडर ग्राउंड बिजली केबल का यह कार्य मनुआस रियल्टी मैरिज पैलेस चौक रायपुरा ,राज ट्रेडर्स से प्रतिमा हार्डवेयर तक,गोल चौक के पास डीडी नगर, मंजीत टावर के पास ,कामाख्या रेस्टोरेंट के पास , राजा बैटरी से सन्नी ट्रेडर्स तक किया जाएगा।विधायक श्री मूणत ने बताया कि जैसे ही यह अंडर ग्राउंड केबल कार्य पूर्ण हो जाएगा।

इसके शीघ्र बाद यहां पर लोक निर्माण विभाग से चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ करा दिया जाएगा।

माना विमानतल में हुआ माक ड्रिल

विजय मत, रायपुर

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद देश के सभी विमानतलों मे सुरक्षा-व्यवस्था बढ़ा दी गई है और कोई दूसरा हादसा न हो इसके लिए एयरपोर्ट प्रबंधन के द्वारा माक ड्रिल भी किया जा रहा है। इसी के मद्दनेजर राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद टर्मिनल में गुरुवार को माक ड्रिल किया गया। इस दौरान एयरपोर्ट बिल्डिंग, टर्मिनल, विमान के टेकऑफ करने और आग लगने जैसे सारी घटनाएं कर पैसेंजर्स को भी सुरक्षित निकालने का अभ्यास किया गया। इस अभ्यास में सीआईएसएफ के अफसर-कर्मचारियों के साथ फायरब्रिगेड की रेस्क्यू टीमें भी शामिल हुए।

सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर आम जनता को जागरूक बनाकर पूर्ण प्रभावी प्रतिबंध लागू करेंगे

इंदौर की तर्ज पर जनजागरण अभियान चलाने एनजीओ की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे-महापौर

विजय मत, रायपुर

इंदौर नगर निगम के बेहतर कामकाज को देखकर प्रदेश के सभी महापौर,आयुक्त व अधिकारियों का दल वापस लौट गए हैं। अब अपने-अपने निगम कार्यक्षेत्र में इसे लागू करवाने का प्रयास करेंगे। रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि रायपुर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण व्यवहारिक प्रतिबंध लगाने प्रयास किया जायेगा।

इसमें एनजीओ को जोड़कर आमजनता को सिंगल यूज प्लास्टिक के बारे में जागरूक बनाया जाकर प्रभावी प्रतिबंध लागू किया जायेगा। सभी 10 जोनो में आरआरआर रियूज, रिड्यूज, रिसाइकल केन्द्र को अपग्रेड करते हुए एनजीओ के माध्यम से उनका रायपुर में प्रभावी संचालन किया जायेगा। नगर पालिक निगम रायपुर में उप अभियंताओं को स्वच्छता कार्य की मॉनिटरिंग में लगाया जायेगा। महापौर ने कहा कि रायपुर में शत प्रतिशत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का प्रभावी क्रियान्वयन करने 20 कर्मचारियों की टीम गठित कर सफाई वाहनों की ट्रेकिंग का कार्य करेंगे।

महापौर ने कहा कि इंदौर में पूर्ण रूप से सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध है एवं इसके उपयोग पर जुर्माना किया जाता है। यहाँ तक की कचरा अलग-अलग करके अगर गाड़ी में डालने जाओ तो कचरा नहीं उठाया जाता है। 6 बिन सेग्रीगेशन - इंदौर में विशेष रूप से जो सबसे प्रभावी लगा, वो है यहां का 6 प्रकार से कचरा अलग-अलग करना एवं शत-प्रतिशत घरो से कचरा संग्रहण। इससे कचरे का प्रबंधन और साइंटिफिक तरीके से उसकी रिसाइकलिंग आसान हो जाती है। इससे पर्यावरण को भी कम नुकसान पहुंचता है। आत्मनिर्भर वार्ड - इंदौर में वार्ड अपने यहां निकलने वाले कचरा का प्रबंधन अपने वार्ड में ही प्रोसेस और रिसाइकल करते हैं। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है।

इंदौर का यह आत्मनिर्भर वार्ड का कॉन्सेप्ट बहुत अच्छा है। कपड़े की रिसाइकलिंग - इंदौर में टेक्सटाइल इंडस्ट्री से निकलने वाली कपड़े की कतरन और अन्य वेस्ट को भी प्रोसेस कर रिसाइकल कर रीयूज किया जाता है जो कि बहुत अच्छा मॉडल है।

इंदौर में मुझे देखने में आया कि ज्यादातर नालियां कवर्ड हैं। इससे नालियों में कचरा नहीं जाता और बरसात में नाले-नालियां जाम नहीं होती। आरआरआर केंद्र - इंदौर में देखने में आया कि आरआरआर केंद्र जहां उपयोग की गई वस्तु को जरुरत मन्द लोगो को पुनः उपयोग हेतु कलेक्ट करना, एनजीओ के माध्यम से बढिया ढंग से संचालित किये जा रहे है।

महापौर ने कहा कि रायपुर की टीम द्वारा किए गए निरीक्षण में यह पाया गया कि इंदौर नगर निगम स्वच्छता व्यवस्था में आत्मनिर्भरता की दिशा में सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। इंदौर में कचरा संग्रहण का कार्य नगर निगम स्वयं करता है-घर घर से कचरा एकत्र कर सीधे ट्रांसफर स्टेशन और प्रोसेसिंग प्लांट तक पहुँचाया जाता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वावरा आशमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड , जयस्तभ चौक रायपुर से मुद्रित एवं डी -17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर गुढ़ियारी रायपुर (छग) से प्रकाशित। संपादक सीता शुक्ला। प्रधान संपादक विजय शुक्ला*।
आर.एन.आई. पंजीयन नं.CHHHIN/2017/75508 (* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायीक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो. 8889977997